दैनिक
जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित
जयपुर टाइम्स
नई सोच नई रफ्तार
वर्ष : 10 अंक : 267 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, सोमवार 20 अक्टूबर, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 मूल्य : 2.00 रुपए पृष्ठ : 8+st

जयपुर टाइम्स परिवार की ओर से सभी प्रदेशवासियों को दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

क्या चौथी बार विधानसभा पहुंच पाएंगे प्रमोद जैन भाया ?

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं) प्रदेश के अंतर विधानसभा सीट पर पिछली विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी कंवरलाल मीणा से करीब 5000 मतों से चुनाव हारने वाले कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया फिर से इसी सीट पर 11 नवंबर को हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं इस सीट पर प्रमोद जैन भाया तीन बार विधायक चुने गए हैं जिसमें 2003 में निर्दलीय और 2008 और 2018 में कांग्रेस पार्टी की टिकट पर इन्होंने चुनाव जीता था इस तरह से प्रमोद जैन भैया अब तक तीन बार सीट पर विधायक रह चुके हैं अब उनके उपचुनाव लड़ने पर हर किसी के जुबान पर यही छाया हुआ है कि क्या प्रमोद जैन भाया चौथी बार राजस्थान विधानसभा का चेहरा देख पाएंगे हालांकि कांग्रेस पार्टी के राजस्थान और दिल्ली में विराजमान नेताओं को इस सीट पर प्रमोद जैन भाया के अलावा किसी और नेता पर शायद जीत का भरोसा नहीं था इसलिए उन्होंने प्रमोद जैन भैया को ही फिर से टिकट दिया अब यह आगामी 14 नवंबर को ही पता चल पाएगा कि जो विश्वास कांग्रेस पार्टी के दिल्ली दरबार में प्रमोद जैन भाया पर जताया उस विश्वास पर प्रमोद जैन भाया कितना खरा उतरते हैं हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं प्रमोद जैन भाया अंता विधानसभा सीट ही नहीं बल्कि हाडोती आंचल के काफी लोकप्रिय नेता के रूप में जाने जाते हैं अगर कोई राजनेता तीन बार किसी सीट से विधायक चुना जाता है तो फिर निश्चित रूप से उसकी जीत में उसकी खुद की लोकप्रियता का भी बड़ा हाथ होता है शायद यही वजह रही की कांग्रेस के दिल्ली दरबार में उन्हें टिकट के लिए सबसे उपयुक्त समझा वैसे इस सीट पर चुनाव आयोग की ओर से उपचुनाव किए जाने की घोषणा के बाद से ही यह माने जाने लगा था कि इस सीट पर कांग्रेस पार्टी या तो प्रमोद जैन भैया को टिकट देगी या फिर उनके परिवार में से किसी व्यक्ति को टिकट दिया जा सकता है यह सोच उस समय और मजबूत हो गई थी जब पिछले दिनों प्रमोद जैन भैया की रहनुमाई में आयोजित की गई ।

दिवाली पर मिट्टी के दीए जलाएं, ग्रीन पटाखे छुड़ाएं, स्वदेशी अपनाएं- भजनलाल शर्मा

जयपुर(कासं) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिवाली गोवर्धन पूजा और भैया दूज पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है मुख्यमंत्री शर्मा ने बाकायदा वीडियो जारी करके प्रदेश देश के लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि दिवाली पर मिट्टी के दीए जलाएं ग्रीन पटाखे छोड़े और स्थानीय कार्यक्रम की ओर से तैयार की गई चीजों और वस्तु को खरीदें स्वदेशी वस्तुओं की ही खरीदारी करें ताकि हमारे कारीगरों शिल्पकारों और वास्तुकारों के धंधों को गति मिलेगी स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी से प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिवाली पर ग्रीन पटाखे छोड़ने की सलाह देते हुए कहा है की माता-पिता अपने बच्चों का पटाखे छोड़ने के दौरान पूरा ध्यान रखें ग्रीन पटाखा छोड़ने से सुरक्षा भी रहेगी और पर्यावरण भी अच्छा रहेगा उन्होंने कहा कि दिवाली त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत अधर्म पर धर्म की जीत अंधकार पर प्रकाश की प्रतीक का पर्व है उन्होंने लोगों से कहा है कि हम सबको भगवान श्री राम की जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए ।

पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी के दामाद के घर सशस्त्र डकैती

जयपुर (कासं)प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी के दामाद के मकान में धनतेरस की देर रात आधा दर्जन हथियार बंद बदमाशों ने धावा बोला बदमाशों ने खुद को पंजाब पुलिस का अधिकारी बताया और घर में दाखिल हुए इसके बाद बदमाशों ने घर में मौजूद गुरुचरण सिंह के साथ मारपीट की मारपीट के दौरान दो बदमाश पंजाब पुलिस की वर्दी में थे और बाकी के चार बदमाश बिना नकाब के थे बदमाशों पिस्तौल दिखाकर कराया धमकाया यह सारे दृश्य वहां मौजूद सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हो गए जिनके आधार पर पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल कर रही है हालांकि पुलिस अभी तक यही कह रही है कि इस मामले में बदमाश सिर्फ दो मोबाइल फोन लूट कर ले गए हैं और कुछ सीसीटीवी कैमरे भी उखाड़ कर ले गए लेकिन जो कैमरे बदमाशों की नजर में नहीं आ पाए उन कैमरा में बदमाशों की गाड़ी और बदमाशों की करतूत साफ नजर आ रही है

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, सोमवार
20 अक्टूबर, 2025

रमगढ़ा में संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हुआ शस्त्र पूजन व पथ संचलन का आयोजन

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(नि.सं.) आज गांव रमगढ़ा में संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में स्वयंसेवकों के द्वारा शस्त्र पूजन किया गया उसके पश्चात सभी स्वयंसेवकों के द्वारा गांव के प्रमुख मार्ग से पथ संचलन का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री भगवान सिंह जी व आरएसएस धौलपुर जिले के माननीय संघचालक श्री राम अख्तियार जी व बौद्धिक कर्ता के रुप में विभाग भरतपुर के विभाग कुटुम्ब प्रबोधन संयोजक श्री अनुराग जी जिला धर्म जागरण टोली के मठ मंदिर प्रमुख श्री योगेश जी शास्त्री व खण्ड सैंपऊ के खण्ड सह कार्यवाह श्री बालकृष्ण जी खण्ड प्रचार प्रमुख श्री भूपेन्द्र जी सक्षम संस्था के सैंपऊ अध्यक्ष श्री रवि जी व वीएचपी की प्रखंड मातृ शक्ति संयोजिका श्रीमती रेनू जी आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 45 स्वयंसेवकों ने भाग लिया व 15 मातृशक्ति के साथ करीब 250 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के बाद सैंपऊ खण्ड के सेमरा निवासी नव चयनित आरएएस प्रिया शर्मा का स्वागत गाजे बाजे के द्वारा किया गया।

पूर्वांचल विकास सेवा समिति के तत्वाधान में 25 से 28 अक्टूबर तक मनाई जाएगी छठ महापर्व

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। पूर्वांचल विकास सेवा समिति के अध्यक्ष लक्ष्मेश कुमार सिंह ने बताया अलवर में 100 से अधिक जगह पर मनाई जाएगी छठ पूजा जिसमें 31 जगह पर सार्वजनिक रूप से एवं बाकी जगहों पर निजी रूप से मनाई जाएगी, दिवाली के बाद छठ पूजा का त्योहार बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान घर से लेकर घाटों तक बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। इस दौरान छठी मैया की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसर, छठी मैया की उपासना और व्रत करने से संतान को दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। नहाय खाय छठ पूजा का पहला दिन नहाय खाय होता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि नहाय खाय पर किया जाता है। इस बार नहाय खाय का पर्व 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन स्नान करने के बाद कुल की देवी और सूर्य देव की पूजा करने का विधान है। चावल-दाल और लौकी की सब्जी का सेवन किया जाता है। नहाय खाय के अगले दिन यानी कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर खरना का पर्व मनाया जाता है। इस बार 26 अक्टूबर को खरना है। इस दिन स्नान करने के बाद छठी मैया की विशेष पूजा-अर्चना करने का विधान है। इस शुभ अवसर पर छठी मैया के लिए चावल की खीर का प्रसाद बनाया जाता है। खरना पूजा करने के बाद छठ व्रत शुरू होता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर डूबते सूर्य को अर्घ्य को दिया जाता है और अगले दिन यानी सप्तमी तिथि पर उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है।

दृगपालपुरा निवासी संतोष प्रजापति ने चाकसू का नाम रोशन किया,

RAS संतोष का स्वागत शुभकामनाएं देने के लिए लगा रहा है तांता

ग्रामीण परिवेश की साधारण घर की बहू ने हासिल की 469 वीं रैंक,

जयपुर टाईम्स

चाकसू(नि.सं.) राजस्थान प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा 2023 का परिणाम घोषित होने पर चाकसू क्षेत्र के 5-6 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है वहीं चाकसू के गांव दृगपालपुरा (नरहपुरा की ढाणी) निवासी संतोष प्रजापत ने आरएएस 2023 के परिक्षा परिणाम में 469 वीं रैंक हासिल की। कभी हार नहीं मानने का जज्बा लिए संतोष ने आरएएस अधिकारी बनने का आपना टारगेट चौथे अटैम्प में हासिल करके ही दम लिया। करीब 13 साल पूर्व विवाह बंधन में बंधी संतोष प्रजापति ने एक साधारण परिवार में रहते हुए और ससुराल में घर परिवार को काम संभालते हुए उद्देश्य पूरा किया। संतोष प्रजापति ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय सास काली देवी, ससुर जगन्नाथ प्रजापति, पति रामदयाल, देवर राजेंद्र व देवरानी विद्या के अलावा अपनी मां कैलाशी व पिता शंकरलाल कुमावत को दिया। संतोष का कहना है कि यदि उसे माता-पिता की प्रेरणा और ससुराल वालों का सहयोग नहीं मिला होता तो वह यह कामयाबी कभी हासिल नहीं कर सकती थी। वहीं संतोष प्रजापति ने इस उपलब्धि के लिए विशेष रूप से अपने गुरुजी अणतपुरा गांव निवासी तूंगा प्रिंसिपल बद्रीनारायण प्रतापत को दिया है, जिन्होंने अपने घर पर रखकर भी संतोष को शिक्षा के साथ आगे बढ़ने के कामयाबी के गुरु सिखाए होते हुए और लगातार सतत प्रेरणा देते रहे। इन्टरव्यू के दौरान बड़ी बात यह है कि संतोष ने यह कामयाबी घर तैयारी करते हुए हासिल की। हां मैन एक्जाम के समय कुछ समय के लिए जरूरत कोचिंग की थी। शुरू से ही प्रतिभा की धनी संतोष ने साल 2002 में 8 वीं में मेरिट में स्थान बनाया था। उसके बाद मैंने कुछ समय के लिए मेरी पढ़ाई रूक गई थी। वहीं साल 2013 में बीएचसी नर्सिंग करने के बाद संतोष ने आरएएस बनाने की ठानी और लगातार मेहनत के दम पर कामयाबी हासिल की। संतोष प्रजापति का कहना है कि उसने साल 2024 की आरएएस परीक्षा भी पास कर ली है, अब केवल इंटरव्यू होने बाकी हैं। इसमें रेंक सुधने की संभावना है।वहीं चाकसू के गांव दृगपालपुरा सहित आसपास लोगों व रिस्तेदारो में खुशी का माहौल देखने को मिला। वहीं साधारण घर में रहने वाली बहु संतोष प्रजापति ने आरएएस बनकर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

गंदगी के बीच कैसे मनायें दिवाली अमित जादौन सचिव मुस्कान सोसाइटी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(नि.सं.) जिले की प्रमुख खबर छोटी दिवाली 19 अक्टूबर 2025 का दिन 66 कॉलोनीयों के लिए एक मायूसी का दिन साबित हो रहा है कॉलोनी से कचरा ले जाने वाले ऑटो टिपर खराब होने के कारण नगर परिषद कार्यालय में खड़े हुए हैं कचरे के ढेर कॉलोनी में बने हुए हैं सीवर का गंदा पानी सड़कों पर आवासीय कॉलोनीयों में मकान के आगे बह रहा है मच्छरों का प्रकोप डेंगू, मलेरिया चिकनगुनिया जैसी मौसमी बीमारियों को दावत दे रहा है सड़क के दोनों और नालियां बनाने, नालों की सफाई करने एवं जल निकासी को सुगम बनाने के लिए 8 जनवरी 2025 को स्थाई लोक अदालत के द्वारा दिए गए आदेश कागजों में धूल चाट रहे हैं 16 जुलाई 2025 को एनजीटी क्षेत्रीय न्यायालय भोपाल के द्वारा 90 दिन में समस्या का निदान करने के दिए गए आदेश भी धूल चाट रहे हैं राजस्थान सरकार के दिए हुए निर्देश कागजों में दफन हो गए नगर परिषद क्षेत्र की भूमियों पर अनियमित खातेदारी दी जाकर करोड़ों रुपए की भूमि का

बंदर बांट हो गया और रेफरेंस केस अतिरिक्त जिला कलेक्टर न्यायालय में 21 मुकदमे धूल चाट रहे हैं जमीन कहां गई जल बहाव को अवरुद्ध करने वालों के खिलाफ माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्देश भी पिछले 20 वर्ष से धूल चाट रहे हैं नागरिकों की मायूसी एवं 66 कॉलोनीयों के द्वारा 1364 परिवारों के द्वारा भेजी गई परिवेदनाओं को मुस्कान समिति ने गंभीरता से लिया और सचिव अमित जादौन ने दस्तावेजी साक्ष के साथ लगभग 154 आवेदन भारत सरकार , राजस्थान सरकार, सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली, राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर, एनजीटी आदि को भेजें परंतु कार्यवाही के नाम पर वही ढाक के तीन पात बने हुए हैं। नगर परिषद क्षेत्र धौलपुर की भूमियों पर अनियमित रूप से अनाधिकृत खातेदारी दी जाकर राजस्थान सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान एवं सरकार को हानि पहुंचाने वाले तीन दर्जन अधिकारी कर्मचा रियों के विरुद्ध तत्कालीन जिला कलेक्टर शुचि त्यागी के द्वारा एसीबी जयपुर में दर्ज कराई गई परवाद संख्या 67/2018 विरुद्ध तहसीलदार धौलपुर एवं अन्य की कार्यवाही धूल चाट रही है 97,04,965 रुपए की राजस्वहानि का मामला जिला राजस्व लेखाकार की संयुक्त टीम के द्वारा प्रकाश में लाया गया था। गैर खातेदारी से खातेदारी दिए जाने वाले प्रकरणों में ऐसीबी की कार्यवाही रुकवाने के लिए ज्ञापन दिनांक 12 जून 2018 से राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर को भेजा गया था। जिसमें सीनियर राजस्व अधिकारी को शामिल कराए जाने का निर्देश राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर के उप निबंधक भू-अभिलेख ने जिला कलेक्टर धौलपुर को निर्देश दिए थे। अतिरिक्तजिला कलेक्टर धौलपुर के न्यायालय में 21 प्रकरणों में रेफरेंस की कार्रवाई धारा 82 एलआर एक्ट के तहत पैरोकार सरकार की ओर से खातेदारी निरस्त करने हेतु दर्ज कराई गई थी। नगर परिषद क्षेत्र धौलपुर में करोड़ों रुपए की जन उपयोगी एवं कृषि भूमि पर अनियमित खातेदारियां देने के बाद उन्हें निरस्त करने की कार्यवाही धूल चाट रही है। इन भूमियों पर आवासीय कॉलोनी बसाए जाने से जलभराव की समस्याओं ने जान माल का खतरा पैदा कर रखा है । वर्ष 2017 में प्रकाश में आए इस मामले पर अधिकारी/ कर्मचारियों के द्वारा ज्ञापन देकर एसीबी की कार्यवाही को रोकने का प्रयास किया गया जिस पर राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर में वरिष्ठ राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी उपखंड अधिकारी धौलपुर की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर जांच रिपोर्ट भिजवाने का निर्देश जिला कलेक्टर को दिया था। उप जिला मजिस्ट्रेट धौलपुर के द्वारा संयुक्त जांच रिपोर्ट 120 दस्तावेजी साक्ष के साथ 20 पेज की जांच रिपोर्ट जिला कलेक्टर के माध्यम से राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर को पत्र क्रमांक 731 दिनांक 29 मई 2019 को भेजी गई। अध्यक्ष राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर ने संभागीय आयुक्त भरतपुर को परिवादी अशोक सिंघल के द्वारा भेजी गई परिवेदना की जांच भेजी गई। जांच रिपोर्ट स्वयं तैयार करने के बजाय जिला कलेक्टर धौलपुर कार्यालय को परिवेदना भेज दी गई। परिवेदना अभी तक धूल चाट रही है। 6 तहसीलदारों में से तीन तहसीलदारों को पदोन्नति का लाभ मिल चुका है उपखंड अधिकारी हो चुके हैं आठ भू अभिलेख निरीक्षकों में से कई भू अभिलेख निरीक्षकों को नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार के रिक्त पदों का कार्य पिछले कई वर्षों से लिया जाता रहा है इस मामले में ऑफिस कानूनगो तहसीलदार एवं उपखंड अधिकारी के रूप में पदोन्नति प्राप्त कर चुका है। पटवारीगण की पदोन्नति हो चुकी है। दो तहसील राजस्व लेखाकार एवं चार लिपिक वर्ग के कर्मचारी को भी पदोन्नतियां जिला कलेक्टर के स्तर से दी जा चुके है। इस समय केंद्र में मोदी की भाजपा सरकार एवं राजस्थान राज्य में भजनलाल की भाजपा सरकार डबल इंजन की भाजपा सरकार है।

ग्रीन पटाखों का उपयोग कर पर्यावरण-अनुकूल एवं सुरक्षित दीपावली मनाने की अपील

जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने दी जिले वासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं

जयपुर टाइम्स

धौलपुर,(नि.सं.) जिले में 20 अक्टूबर को दीपावली का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने जिले वासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। जिला कलक्टर ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि द पावली का पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने कामना की कि रोशनी का यह पर्व सभी के जीवन को ज्ञान, ऊर्जा और आरोग्य से प्रकाशित करे और सभी जिले वासियों के घर-परिवार को खुशियों से रोशन करे तथा सभी के कार्य सफल हों। मिट्टी के दीपक और स्वदेशी उत्पादों का करें उपयोग उन्होंने दीपावली के इस शुभ अवसर पर जिले वासियों से अपील की है कि वे स्थानीय बाजार में पहुंचकर मिट्टी के दीपक तथा स्वदेशी उत्पादों की खरीद कर स्थानीय कारीगरों और व्यापारियों का उत्साहवर्धन करें। सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल दीपावली की अपील जिला कलक्टर ने ध्वनि और वायु प्रदूषण से बचने के लिए परंपरागत कम धुंए वाले ग्रीन पटाखों का उपयोग कर एक सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल दीपावली मनाने की अपील की है। पटाखा विक्रेताओं के लिए निर्देश उन्होंने पटाखा विक्रेताओं से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थल पर ही पटाखों की बिक्री करें तथा पटाखों को सुरक्षित स्थान पर, सभी मानकों का पालन करते हुए रखें, ताकि किसी प्रकार की आकस्मिक दुर्घटना या आगजनी की घटना से बचा जा सके। उन्होंने बच्चों को पटाखों से दूर रहने की भी सलाह दी। यातायात नियमों का करें पालन उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान बाजारों में भीड़ बढ़ जाती है, ऐसे में सावधानी और सतर्कता बरतना आवश्यक है। उन्होंने त्योहारों के दौरान शराब पीकर वाहन न चलाने को भी कहा है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील की कि थोड़ी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए शराब सेवन कर गाड़ी चलाने से बचें और यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें

शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान

देर रात मिलावट खोरों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा दल और पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

नष्ट करवाया 600 किलोग्राम दूषित मावा,खाद्य पदार्थों के लिए नमूने

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(नि.सं.) त्यौहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट कर आमजन की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा टीम लगातार खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर खराब और दूषित पदार्थों को नष्ट करने की कार्यवाही कर रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा आयुक्त टी शुभमंगला और जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा द्वारा गठित टीम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार के नेतृत्व में शनिवार देर रात कार्यवाही करते हुए राम लखन पुत्र रामवीर मावा निर्माता से मावा एवं मिल्क पाउडर क्रीम, रिफाइंड पामोलिन तेल, स्किम्ड मिल्क पाउडर के नमूने लिए। साथ ही 100 किलो मावा को एवं मिल्क पाउडर को मौके पर नष्ट करवाया। वहीं लगभग 80 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर एवं 6 पीपे रिफाइंड पामोलिन तेल को मौके पर ही जप्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में अग्रिम कार्रवाई हेतु रखवाया गया। इसके बाद सोनू पुत्र शिव सिंह से मावा, स्किम्ड मिल्क पाउडर, मिश्री, दूध, वनस्पति तेल का नमूना लेकर लगभग 300 किलोग्राम दूषित मावे को मौके पर नष्ट करवाया। इस दौरान लगभग 20 किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर एवं वनस्पति घी के 4 पीपे मौके पर जप्त किए। इसी क्रम में देव खेड़ा गांव में अचल सिंह मावा विक्रेता से मावा का नमूना लिया गया एवं रोहित मावा विक्रेता से मावा एवं रिफाइंड पामोलिन तेल का नमूना लेकर लगभग 200 किलोग्राम दूषित मावे को मौके पर नष्ट करवाया गया खाद्य सुरक्षा अधिकारी पदम सिंह परमार ने बताया कि देर रात से शुरू हुई यह कार्यवाही सुबह तक जारी रही। लगभग 600 किलोग्राम दूषित मावा विभिन्न जगहों पर खपाने की तैयारी थी खाद्य सुरक्षा दल की तत्परता से दूषित मावा नष्ट किया। उन्होंने कहा कि मिलावट खोरों के विरुद्ध कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

पंच परिवर्तन-राष्ट्र जागरण विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित

पंच परिवर्तन का सिद्धांत हर भारतीय को अपने जीवन में अपनाना चाहिए - मोतीलाल मीणा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(नि.सं.)। समाज में बड़े परिवर्तन की शुरुआत छोटे-छोटे प्रयासों से ही होती है। जब हम अपने व्यवहार में सुधार लाते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव होता है। समय पालन, दूसरों की निस्वार्थ मदद, पर्यावरण का ध्यान रखना, पारिवारिक जुड़ाव बनाए रखना ये सब ऐसी आदतें है जिनके पालन से पूरे समाज में सकारात्मक परिवर्तन होगा। आज का समय केवल चर्चा का नहीं बल्कि कर्म का समय है। पंच परिवर्तन का सिद्धांत हर भारतीय को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उपरोक्त बातें भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व ऑयल इण्डिया कम्पनी लिमिटेड के स्वतन्त्र निदेशक मोतीलाल मीणा ने कही। वे स्वजागृत समाज की ओर से "पंच परिवर्तन-राष्ट्र जागरण" विषय पर दीपावली मिलन की पूर्व संध्या पर आयोजित विचार गोष्ठी के अवसर पर सोना हवेली के प्रेक्षागृह में उपस्थित नागरिकों को मुख्य अतिथि के रुप मे संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल विचारों तक सीमित नहीं है बल्कि इन्हें हर नागरिक को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।? समाज कि यह मांग है कि सब लोग समान दृष्टि से एक दूसरे को देखें। ऊंच नीच का भेद समाप्त करना एक विकसित भारत के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। सामाजिक समरसता की स्थापना से ही भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा होगा। उन्होंने संयुक्त परिवार के बारे में संबोधित करते हुए लोगों से कहा कि भारत की परिवार व्यवस्था विश्व के लिए पथ प्रदर्शक का काम करती है, लेकिन आज आधुनिकता के चक्कर में यह व्यवस्था कमजोर पड़ रही है। इसे समझने और फिर से मजबूत करने की आवश्यकता है। यदि परिवार व्यवस्था समाप्त हो गई तो हमारे पूर्वजों ने जो सांस्कृतिक मूल्य स्थापित किये हैं वे धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे। इसी क्रम में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि आज आधुनिकता के चक्कर में हम तेजी से घर तो बना रहे हैं, लेकिन उस आड़ में कटते हुए वृक्षों की चिंता हम नहीं कर रहे, इससे आने वाला समय बहुत दुष्कर होगा। हम यदि एक पेड़ काटते हैं तो उसके बदले कम से कम 10 पेड़ लगाया जाना चाहिए, यदि इसकी चिंता कर ली जाए तो प्रकृति सुरक्षित रहेगी। वहीं उन्होंने स्वदेशी अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि भारत को यदि आत्मनिर्भर बनाना है तो स्वदेशी जीवन शैली को अपनाना हीं पड़ेगा। छोटी-छोटी बातों से बड़ा परिवर्तन होगा। वहीं उन्होंने नागरिक कर्तव्य पर भी प्रकाश डाला और कहा कि कुछ ऐसे कर्तव्य हैं जिनका पालन एक सामान्य नागरिक के रूप में हमको करना चाहिए। इसके लिए कोई कहने नहीं जाएगा, बल्कि ये कर्तव्य स्वस्फूर्त होते हैं। हम सबको इन नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना होगा।

चार सौ दिनों की निरंतर सेवा का सम्मान

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। समाज सेवा और मानवता के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय Help All Foundation को Bharat Rising Summit Award 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्था को लगातार 400 दिनों तक जरूरतमंदों को भोजन और सहायता प्रदान करने के लिए दिया गया। अभिनेता सोनू सूद ने संस्था के सदस्यों को यह पुरस्कार प्रदान कर उनके समर्पण और सेवा भावना की सराहना की संस्था की स्थापना 1 जनवरी 2023 को अलवर के युवाओं – चन्द्रप्रकाश सैन, रोहित पारीक, विजय यादव और मुकेश कुमार – द्वारा की गई थी। एक छोटे से सामाजिक प्रयास के रूप में शुरू हुई यह पहल आज एक बड़ा मानवता अभियान बन चुकी है Help All Foundation ने 14 सितम्बर 2024 से रोजाना दो समय भोजन वितरण का संकल्प लिया, जिससे सैकड़ों जरूरतमंदों को प्रतिदिन गरम भोजन मिल रहा है। संस्था ने सिर्फ इंसानों तक ही नहीं, बल्कि घायल और बीमार जानवरों की भी सेवा कर करुणा का उदाहरण पेश किया है। इसके साथ ही ब्लड डोनेशन कैंप, कंबल वितरण, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान जैसी कई पहलें निरंतर जारी हैं संस्था के संस्थापक चन्द्रप्रकाश सैन ने

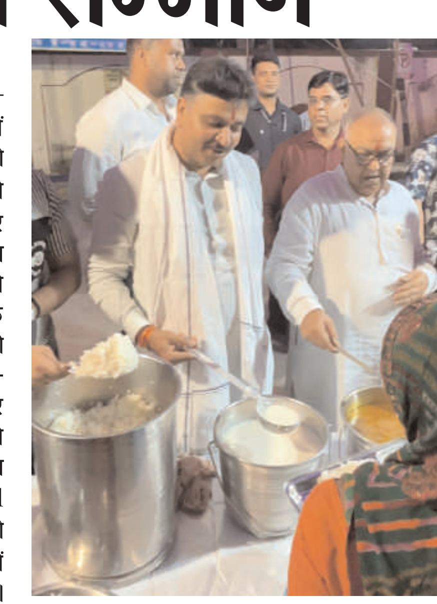

बताया कि Help All Foundation आने वाले समय में ओल्ड एज होम, फ्री एजुकेशन सेंटर, मोबाइल हेल्थ वैन और गौशाला जैसी नई सामाजिक योजनाएँ शुरू करने की दिशा में कार्य कर रहा है "जहाँ भूख है, वहाँ Help All Foundation है।"

राजाखेड़ा थाना पुलिस व धौलपुर खाद्य विभाग की संयुक्त कार्यवाही

इलाका थाना में नकली व मिलावटी मावा के खिलाफ कार्यवाही कर कई क्विंटल नकली मावा किया नष्ट

वॉइलर मशीन पर दूध में से क्रीम निकाल रिफाइंड व सोप स्टोन पाउडर मिलाकर तैयार करते है मिलावटी मावा, जो आमजन के लिए हानिकारक

नकली व मिलावटी मावा को तैयार कर धौलपुर

भरतपुर व आगरा में किया जाता सप्लाई, जो आमजन के जीवन से करते है खिलवाड़

जयपुर टाइम्स

भरतपुर(नि.सं.) महानिरीक्षक पुलिस रेंज भरतपुर कैलाश चन्द्र विश्नोई व धौलपुर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में व मनोज शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला धौलपुर तथा राजेश शर्मा आरपीएस सीओ वृत्त मनियां के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी रामकिशन यादव पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम व पदम सिंह परमार खाद्य निरीक्षक धौलपुर द्वारा इलाका थाना में

नकली व मिलावट मावा के विरूद्ध संयुक्त कार्यवाही कर कई क्विंटल नकली व मिलावटी मावा के सैम्पल लिया जाकर नष्ट किया गया। कार्यवाही विवरण- दिनांक 18 अक्टूबर 2025 को थानाधिकारी रामकिशन यादव पुलिस निरीक्षक को गश्त के दौरान सूचना मिली कि गांव जारह में रामलखन पुत्र रामवीर ठाकुर व सोनूसिंह पुत्र शिवसिंह उर्फ करूआ जाति ठाकुर निवासीगण जारह के घर के पीछे बाडे में लगे वॉइलर पर मिलावटी मावा बनाया जा रहा है। जिसे धौलपुर, भरतपुर व आगरा में सप्लाई किया जाता है। उक्त सूचना पर थानाधिकारी मय पुलिस टीम के साथ रवाना होकर गांव जारह पहुंचे। जहां पर जारह गांव में रामलखन पुत्र रामवीर जाति ठाकुर निवासी जारह व सोनू पुत्र शिवसिंह जाति ठाकुर निवासी जारह के घर के पीछे बाडे में लगे मावा वनाने वाले वॉइलर पर पहुंचे। जहां पर तीन-तीन कढाईयों में मिलावटी मावा तैयार किया जा रहा था व काफी मात्रा में मिलावटी मावा बना हुआ पास में रखा हुआ था। जिसके सम्बन्ध में कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक धौलपुर से फूड इन्सपेक्टर मौके पर भिजवाने हेतु निवेदन किये। उसके बाद पुलिस अधीक्षक धौलपुर द्वारा जिला कलेक्टर से वार्ता कर पदम सिंह परमार खाद्य निरीक्षक धौलपुर को मय टीम मौके पर भिजवाया गया। मौके पर जानकारी की गई तो दूध में से क्रीम निकालकर मावा में चिकनाई लाने के लिए रिफाइंड व सोप स्टोन पाउडर (जो हेयर ड्रेसर की दुकान पर बाल काटने के बाद शरीर से बाल हटाने के लिए प्रयोग किया जाता है। जो आमजन के लिए हानिकारक है। रामलखन के वाइलर के पास में ही 6 कट्टे 50-50 किग्रा के सोप स्टोन पाउडर व 6 पीपा रिफाइंड ऑयल व दूध की क्रीम का घी व सोनूसिंह के वॉइलर पर 8 कट्टा सोप स्टोन पाउडर व 6 पीपा रिफाइंड ऑयल व 3 कट्टा अमूल पाउडर व मिलावटी मावा बना हुआ काफी मात्रा में मिला।

आप सभी को
दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं

अलवर जिले की प्रथम और एकमात्र
NABL Accredited Test लैब

ilac-MRA
MC-5388

RGHS
के तहत जाँच की सुविधा उपलब्ध

जिले की प्रथम
3T MRI
1.5 T MRI (Digital & Silent)

बच्चों के अस्पताल के सामने
सरकारी अस्पताल में

ESI
के तहत जाँच की सुविधा उपलब्ध

32 Slice CT-Scan in Different Center

HIGHLY QUALIFIED TEAM OF DOCTORS

CARDIOLOGY	PATHOLOGY	PATHOLOGY	MICRO BIOLOGY	RADIOLOGY				
Dr. Shakti Singh MD (Medicine) DIP CARD, FIC	Dr. Ran Vijay Singh MD Pathology Head Laboratory	Dr. S Goyal MD (Pathology)	Dr. Surendra Kumar Jangid MD (MICRO BIOLOGY)	DR. SATYAVEER MD (Radio Diagnosis)	Dr. Gagan Jaiswal MD (Radio Diagnosis)	Dr. Rajendra MD (Radio Diagnosis)	Dr. Monika Sera MD (Radio Diagnosis)	Dr. Shorav MD (Radio Diagnosis)

6 AM to 10 PM सेवाएं उपलब्ध

Curewell Diagnostic Center

क्योरवैल डायग्नोस्टिक एण्ड ईमेजिंग प्रा.लि

Regd. No. DRA 0810400026, PCPNOT Alw/21

हैड ऑफिस: लखण्डा वाला कुआँ, बिजली घर का चौराहा, अलवर फोन : 0144-2702884, 8739948901

ब्रांच ऑफिस: अग्रसेन सर्किल के पास, सिटी हॉस्पिटल के पास, अलवर

ब्रांच ऑफिस: 1/25, अरावली विहार, काला कुआँ हाऊसिंग बोर्ड, अलवर मो. 8505000166

website : www.curewelldiagnostic.com, E-mail: curewellalwar@yahoo.co.in

दीपावली की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

YPSM HOMOEOPATHIC MEDICAL COLLEGE, HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
Estd.1978
Shivaji Park, Alwar (Raj.)

RECOGNIZED BY NATIONAL COMMISSION FOR HOMOEOPATHY DEPTT. OF AYUSH (GOVT. OF INDIA) AFFILIATED TO DR. S.R. RAJASTHAN AYURVED UNIVERSITY, JODHPUR

होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का सुनहरा अवसर

ADMISSION OPEN

LAST FEW SEATS LEFT

B.H.M.S.
BACHELOR OF HOMOEOPATHIC MEDICINE & SURGERY

4 ½ YEARS + 1 YEAR INTERNSHIP DEGREE COURSE

Eligibility : 10+2 (BIOLOGY) & NEET QUALIFIED

As per Direction of NCH, Deptt. of Ayush (Govt. of India), Delhi

Counselling & Guidance Programme in the field of
HOMOEOPATHIC DOCTOR

ATTRACTIVE Scholarships For Deserving Students

Facilities:-
- 30 beds Hospital
- Training at Multi specialty Hospital
- Mobile Medical Unit
- Highly Qualified Teaching Faculty
- Physiotherapy Center
- Live Case Studies
- Extensive Internship Programme (No Fees)
- Pathology Lab., X-Ray, ECG

0144 - 2730013 | 91160 08904 | 94627 20843 | www.ypsmhomoeocollege.in

Sunrise Resort, Jaipur

SUNRISE RESORT, JAIPUR

Experience the Essence of Nature

Suitable for

Destination Wedding | Meetings | Corporate Conferences
Anniversaries | Promotional Events | Birthday Parties

BOOK NOW
Delhi - Chandwaji - Ajmer 200 Feet Bypass, Village Sar (Bilochi), Jaipur - 303805
www.sunriseresortjaipur.com

+91 99833 33900 | +91 76656 44441

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025

अतुल्य अलवर

अ.न.नि

LiFE Lifestyle for Environment

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ दिवाली
शुभ दिवाली
स्वच्छ भारत मिशन 2.0 की पहल

इस दिवाली, कचरे के समाधान के लिए अपनाएं हरित विकल्प और मनाएं एक विशेष उत्सव!

- सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न करें
- मेहमानों को पर्यावरण-अनुकूल उपहार दें
- कचरा पृथक्करण अपनाएं
- प्लास्टिक सजावट की जगह प्राकृतिक फूलों का उपयोग करें
- वोकल फॉर लोकल
- ग्रीन दिवाली

eco

नगर निगम अलवर

भारतीय आत्मा का आलोकित उत्सव दीपावली

जैसे किसी किसान की हथेली, किसी मां के नेत्र, किसी बच्चे की हंसी-सब मिलकर उस लौ को थरथरा रहे हों। यही मिट्टी का दीया हमारे जीवन की सबसे गहरी प्रतीक-कथा कहता है कि जो झुकता है, वही जलता है, जो मिटता है, वही प्रकाशित होता है। दीपावली का उत्सव केवल लक्ष्मी की आराधना नहीं है, बल्कि श्रम और सौंदर्य, करुणा और स्मृति, उत्सव और साधना का संगम है। इस दिन हर व्यक्ति, चाहे गरीब हो या अमीर, कुछ न कुछ सजाता है-अपना घर, अपना मन या अपनी आशा। यह सजावट केवल भौतिक नहीं, मनोवैज्ञानिक भी है। यह सजाने, संवारने, संजोने का उत्सव है-जैसे हम अपने भीतर के अस्त-व्यस्त भावों को भी दीपों की पंक्तियों में सजा दें। कवियों ने हमेशा दीपावली को प्रकाश और अंधकार के संघर्ष के रूप में देखा है, पर यदि ध्यान से देखें तो यह संघर्ष नहीं, संवाद है। अंधकार प्रकाश का शत्रु नहीं, उसका आवश्यक आधार है। बिना अमावस्या के चांद का अर्थ अधूरा है। दीप का सौंदर्य तभी

दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा का आलोकित उत्सव है, अंधकार से संवाद करने की कला है और निराशा के बीच आशा का दीप जलाने का नाम है। हर वर्ष जब कार्तिक अमावस्या आती है, तब समूचा भारत जैसे एक साथ सांस लेता है-धीरे, स्थिर, श्रद्धा से भरा हुआ। गांव की कच्ची गलियां हों या महानगर की ऊंची इमारतें, हर जगह कोई न कोई दीप किसी स्मृति, किसी प्रार्थना, किसी सपने के नाम जलता है। यह रोशनी बाहर जितनी दिखती है, भीतर उतनी ही उतरती है, क्योंकि दीपावली बाहरी उजास से अधिक भीतर के अंधेरे को पहचानने और उसे प्रेमपूर्वक आलोकित करने की प्रक्रिया है। मिट्टी के दीये का अपना सौंदर्य है। वह भले ही छोटा हो, पर उसका प्रकाश सबसे कोमल और सबसे सच्चा होता है। उसमें मनुष्य का परिश्रम है, धरती की गंध है और आस्था की गर्मी है। वह दीप जब जलता है, तब लगता है जैसे किसी किसान की हथेली, किसी मां के नेत्र, किसी बच्चे की हंसी-सब मिलकर उस लौ को थरथरा रहे हों। यही मिट्टी का दीया हमारे जीवन की सबसे गहरी प्रतीक-कथा कहता है कि जो झुकता है, वही जलता है, जो मिटता है, वही प्रकाशित होता है। दीपावली का उत्सव केवल लक्ष्मी की आराधना नहीं है, बल्कि श्रम और सौंदर्य, करुणा और स्मृति, उत्सव और साधना का संगम है। इस दिन हर व्यक्ति, चाहे गरीब हो या अमीर, कुछ न कुछ सजाता है-अपना घर, अपना मन या अपनी आशा। यह सजावट केवल भौतिक नहीं, मनोवैज्ञानिक भी है। यह सजाने, संवारने, संजोने का उत्सव है-जैसे हम अपने भीतर के अस्त-व्यस्त भावों को भी दीपों की पंक्तियों में सजा दें। कवियों ने हमेशा दीपावली को प्रकाश और अंधकार के संघर्ष के रूप में देखा है, पर यदि ध्यान से देखें तो यह संघर्ष नहीं, संवाद है। अंधकार प्रकाश का शत्रु नहीं, उसका आवश्यक आधार है। बिना अमावस्या के चांद का अर्थ अधूरा है। दीप का सौंदर्य तभी खिलता है, जब उसके चारों ओर घना अंधेरा हो। जीवन भी ऐसा ही है। अंधकार हमें प्रकाश का मूल्य सिखाता है, दुख हमें आनंद की गरिमा दिखाता है और हानि हमें प्रेम की गहराई समझाती है। जब सांझ उतरती है और बच्चे पहली फुलझड़ी जलाते हैं तो आकाश में केवल चिंगारियां नहीं उठतीं, वहां हजारों इच्छाएं भी उड़ती हैं। दीपावली का प्रकाश वस्तुतः उन अनगिनत स्वप्नों का प्रतिरूप है, जो मनुष्य के हृदय में सदा जलते रहते हैं। जब चारों ओर दीपों की पंक्तियां थिरक रही होती हैं और हवा में एक अजीब शांति होती है। यह क्षण वह है जब मनुष्य अपने भीतर के ईश्वर से मिलता है-न किसी मूर्ति में, न किसी ग्रंथ में, बल्कि उस छोटी सी लौ में, जो बाहर भी है और भीतर भी। दीपावली का अर्थ हर व्यक्ति के लिए अलग है। किसी के लिए यह संपन्नता का प्रतीक है, किसी के लिए मिलन का और किसी के लिए स्मृति का। बूढ़ी मां जब पुराने दीयों को साफ करती है तो हर दीए में उसे बीते वर्षों की परछाई दिखती है। अब वह दीया जलाती है तो उसमें एक तरह की मौन प्रार्थना होती है कि उजाला केवल घर का न हो, मन का भी हो। साहित्य में दीपावली केवल एक दृश्य नहीं, एक प्रतीक है-प्रकाश का, ज्ञान का, सत्य का। किसी ने इसे राम के अयोध्या लौटने का उत्सव कहा, किसी ने आत्मा की विजय का, किसी ने प्रेम के पुनर्जन्म का, पर सबका सार एक ही रहा-अंधकार से प्रकाश की ओर, भय से विश्वास की ओर, बाह्य से अंतर की ओर यात्रा। संस्कृति के स्तर पर दीपावली हमें यह सिखाती है कि उत्सव केवल प्रदर्शन नहीं, संवेदना है। यह पर्व हमें जोड़ता है-परिवारों से, पड़ोसियों से और यहां तक कि अजनबियों से भी। एक दीप किसी और के द्वार रख देना, यह बताना है कि हम साथ हैं, हम एक ही प्रकाश में जी रहे हैं। यही भारतीयता का हृदय है-'तमसो मा ज्योतिर्गमय।' जब रात गहराती है और दीप धीरे-धीरे बुझने लगते हैं, तब भी उनकी लौ की छाया दीवारों पर बनी रहती है। वह छाया एक स्मृति बन जाती है कि उजाला क्षणभंगुर है, पर उसका प्रभाव अनंत। शायद इसी भाव से कवि कहता है-जो दीप जलता है, वह बुझता नहीं, वह हृदय में उतर जाता है। दीपावली का सबसे गहन अर्थ यही है-भीतर का दीप जलाना। यह भीतर का दीप तब तक नहीं जलता, जब तक हम अहंकार की कालिख न मिटा दें, ईर्ष्या का धुआं न हटाएं और स्वार्थ की ठंडी राख को न झाड़ दें। जब भीतर की सफाई हो जाती है, तब हर मन स्वयं दीप बन जाता है। जैसे हर घर में नहीं, हर आत्मा में दीपावली मनाई जा रही हो। वहां कोई शोर नहीं, कोई आतिशबाजी नहीं-सिर्फ एक धीमी, निर्मल, आत्मीय रोशनी। वही सच्ची दीपावली है-जो संसार को नहीं, आत्मा को आलोकित करती है। उसी क्षण मनुष्य देवत्व को छू लेता है।

सम्पादकीय

हर बार वही दावा, हर बार वही खंडन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हर कुछ दिन बाद ऐसे दावे करते दिखते हैं, जो पहली नजर में बड़े महत्त्व के लगते हैं। मगर थोड़ा वक्त गुजरते ही उनके दावों को लेकर जिस तरह के तथ्य सामने आते हैं, उससे उनकी बातों की विश्वसनीयता पर संदेह खड़े हो जाते हैं। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जब पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर हमले किए, तो उस संघर्ष को रोकने को लेकर हाल में ट्रंप ने जिस तरह के दावे किए और भारत ने उसे निराधार बताया, उससे उनकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस बीच शुल्क लगाने की नीति के जरिए व्यापार युद्ध की स्थिति खड़ी करने के क्रम में अमेरिका ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर जुर्माना लगाने की घोषणा कर भारत पर दबाव बनाने की विचित्र कोशिश की। जब भारत ने इस संबंध में नीतिगत फैसला लेने के अपने अधिकार के तहत रूस से तेल आयात करना जारी रखा, तो अब ट्रंप ने अलग स्तर का दावा करके भारत को असहज करने का प्रयास किया है। दरअसल, अमेरिका की ओर से जुर्माना लगाने की घोषणा के बावजूद भारत ने रूस से कच्चे तेल के आयात के संबंध में अपने हितों के अनुकूल फैसले पर अमल जारी रखा है। इसी के मद्देनजर अब ट्रंप ने एक नया राग छेड़ा है, जिसके जरिए शायद वे भारत को कमजोर साबित करने की इच्छा रखते हैं। ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। हालांकि ट्रंप के इस दावे के बाद भारत की ओर से स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। सवाल है कि इतने गंभीर मसले पर अगर ट्रंप बेहिचक एक निराधार दावा कर रहे हैं, तो इसकी क्या वजह है। जबकि भारत ट्रंप की बातों को सिरे से खारिज कर रहा है। ऐसा लगता है कि रूस से तेल खरीद को लेकर भारत के बारे में ट्रंप ने जो कहा है, उसका मकसद भी सिर्फ भारत पर दबाव बनाना और रूस को उकसाना भर है। मगर इस तरह की खोखले बातों के जरिए ट्रंप क्या हासिल कर लेंगे? ट्रंप के दावों की हकीकत का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अक्सर वे अलग-अलग देशों के बीच युद्ध रुकवा देने का श्रेय लेते हैं और इस नाते उन्होंने नोबेल शांति सम्मान पाने की भी इच्छा जताई। जबकि पाकिस्तान के साथ हुए टकराव में भारत यह साफ कर चुका है कि संघर्ष-विराम में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। विडंबना यह है कि ट्रंप दुनिया भर में एक महाशक्ति माने जाने वाले देश के राष्ट्रपति हैं, लेकिन अक्सर किए जाने वाले उनके दावों और उसके बरक्स हकीकत की वजह से उनके व्यक्तित्व की गंभीरता सवालों के घेरे में आ रही है। अमेरिका का आर्थिक हित सुनिश्चित करना उनका दायित्व है, लेकिन इस क्रम में अन्य देशों की नीतियों को वे जिस तरह प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, उसे उचित नहीं कहा जा सकता। भारत के साथ व्यापार वार्ता के किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले ही उन्होंने जिस तरह भारी आयात शुल्क लगाने की घोषणा कर दी और उसका दायरा और विस्तृत किया, वह एक तरह से अन्य देशों और खासतौर पर भारत के नीतिगत फैसलों को प्रभावित करने की ही कोशिश थी।

न्याय न देने वाला न्यायिक तंत्र

पिछले दिनों कमर्शियल ट्रिब्यूनलों यानी वाणिज्यिक न्यायाधिकरणों की शिथिल न्याय प्रक्रिया को लेकर दक्ष संस्था ने जो रिपोर्ट जारी की, वह आंखें खोलने वाली है। इस रिपोर्ट के अनुसार एनसीएलटी, एनसीएलएटी, डीआरटी, आइटीएटी, टीडीसैट, सैट आदि में कुल 3.56 लाख मामले लंबित हैं। इन लंबित मामलों में 24.72 लाख करोड़ रुपये फंसे हैं। यह राशि 2024-2025 की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 7.48 प्रतिशत है। इसका सीधा मतलब है कि इन लंबित मामलों के कारण देश का आर्थिक विकास प्रभावित हो रहा है। न्यायपालिका से इतर न्यायाधिकरणों की स्थापना इसलिए की गई थी, ताकि कंपनी और अन्य वित्तीय मामलों का निपटारा समय पर विशेष दक्षता वाले न्यायाधीश कर सकें। वित्तीय मामलों का समय पर निपटारा कर आर्थिक प्रशासन को सुगम बनाने, निवेशकों का भरोसा बनाए रखने के साथ इन न्यायाधिकरणों की स्थापना का एक अन्य उद्देश्य सामान्य अदालतों का बोझ कम करना भी था। थिंक टैंक दक्ष की रिपोर्ट इंगित करती है कि न्यायाधिकरणों की स्थापना जिन उद्देश्यों के लिए की गई, उसे ही वे पूरी नहीं कर पा रहे हैं। अपेक्षा यह की गई थी कि न्यायाधिकरण कंपनियों, शेयर धारकों और करदाताओं के विवादों का समाधान शीघ्र करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। इसे इससे समझा जा सकता है कि नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में किसी विवाद को निपटाने की समय सीमा 330 दिन है, लेकिन मामलों के निपटने में औसतन 752 दिन लगते हैं। इसी तरह डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल (डीआरटी) में कोई मामला निपटाने के लिए 180 दिन की अवधि तय है, लेकिन 85 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में कहीं अधिक समय लगता है। यही स्थिति अन्य ट्रिब्यूनलों की भी है। स्पष्ट है कि न्यायाधिकरणों के स्थापित होने का जो लाभ मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल पा रहा है। समस्या केवल यह नहीं कि न्यायाधिकरण समय पर विवादों का निपटारा नहीं कर पा रहे हैं। समस्या यह भी है कि प्रायः उनके फैसलों की गुणवत्ता को लेकर प्रश्न उठते हैं। वित्तीय मामले जटिल होते हैं। जटिल मामलों को सुलझाने के लिए जैसी विशेषज्ञता वाले लोगों की आवश्यकता है, कई बार उसका भी अभाव दिखता है। रही-सही कसर तय समय तक काम न होने और वकीलों के दांवपेच से पूरी हो जाती है। दक्ष की रिपोर्ट में इसका भी उल्लेख किया गया है कि न्यायाधिकरण स्टाफ की कमी का सामना कर रहे हैं और वे संविदा कर्मचारियों पर भी अधिक निर्भर हैं। हालांकि उच्चतम न्यायालय न्यायाधिकरणों की शिथिल न्याय प्रक्रिया से अवगत है, लेकिन समस्या का निराकरण कर सकने में उसकी भी सीमाएं हैं। सरकार इस समस्या से परिचित होने के बाद भी उसका ठोस समाधान खोजने के प्रति तत्पर नहीं दिखती। हम इसकी भी अनेदखी नहीं कर सकते कि न्यायाधिकरणों की तरह सामान्य न्यायालयों में बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय में करोड़ों मामलों के लंबित होने का कारण आधारभूत ढांचे और संख्याबल का अभाव तो है ही, तारीख पर तारीख का सिलसिला भी है। समय पर न्याय न मिलने की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट के कई वर्तमान एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश अपनी चिंता प्रकट करते रहते हैं। ऐसी ही चिंता कार्यपालिका और विधायिका के लोग प्रकट करते रहते हैं। कभी न्यायपालिका के लोग न्याय में देरी की समस्या का ठीकरा सरकार पर फोड़ते हैं तो कभी सरकार के लोग न्यायपालिका पर। यह समझा जाना चाहिए कि एक-दूसरे के पाले में गेंद डालने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इस समस्या का समाधान तब होगा, जब सरकार और न्यायपालिका, दोनों ही अपनी-अपनी हिस्सेदारी की जिम्मेदारी का निर्वाह करने के लिए आगे आएंगे। दोनों ही पक्षों को समन्वय कायम कर समस्या का समाधान खोजना चाहिए, लेकिन अभी ऐसा होता हुआ दिखता नहीं। इसके दुष्परिणाम वे लोग भुगत रहे हैं, जिनके मामले न्यायालयों अथवा न्यायाधिकरणों में फंसे हुए हैं। इससे इन्कार नहीं कि देश लगातार आर्थिक प्रगति कर रहा है। यह मानने के भी अच्छे-भले कारण हैं कि हम अगले दो-तीन दशक में विकसित देश के लक्ष्य के करीब होंगे, लेकिन विकास की इस यात्रा में यदि न्यायिक प्रक्रिया सुदृढ़ नहीं हुई तो गंतव्य तक पहुंचने में और देर हो सकती है। न्याय प्रक्रिया आर्थिक विकास में सहायक बननी चाहिए

दम तोड़ता माओवाद

जो माओवादियों की गतिविधियों से सर्वाधिक प्रभावित हैं। एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि पिछले कुछ दिनों में जिन माओवादियों ने हथियार डाले हैं, उनमें कुछ ऐसे माओवादी सरगना हैं, जो इस खूनी विचारधारा को हर संभव तरीके से बल प्रदान करते थे। स्पष्ट है कि इससे बचे-खुचे माओवादी हतोत्साहित हो रहे होंगे। इस स्थिति का लाभ उठाया जाना चाहिए। माओवादियों के हतोत्साहित होने का एक बड़ा कारण यह भी है कि छत्तीसगढ़ में जो इलाके उनके मजबूत गढ़ माने जाते थे, वे उनके आतंक से मुक्त करा लिए गए हैं।

यह उत्साहजनक है कि माओवादी आतंकियों के आत्मसमर्पण का सिलसिला कायम है। पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में जिस तरह बड़ी संख्या में माओवादियों ने हथियार डाले हैं, उससे यह भरोसा और बढ़ा है कि केंद्र सरकार मार्च 2026 तक माओवादी आतंक को समाप्त करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी। इसका पता इससे भी चलता है कि गत दिवस प्रधानमंत्री मोदी ने यह कहा कि देश शीघ्र ही माओवादी आतंक से मुक्त होगा और यह उनकी गारंटी है। यह कथन उनकी सरकार की दृढ़ प्रतिज्ञा का परिचायक है। इस संदर्भ में इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि 11 वर्ष पहले देश के 125 जिले माओवादी आतंक से ग्रस्त थे। आज उनकी संख्या केवल 11 रह गई है और उनमें भी तीन जिले ही ऐसे हैं, जो माओवादियों की गतिविधियों से सर्वाधिक प्रभावित हैं। एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि पिछले कुछ दिनों में जिन माओवादियों ने हथियार डाले हैं, उनमें कुछ ऐसे माओवादी सरगना हैं, जो इस खूनी विचारधारा को हर संभव तरीके से बल प्रदान करते थे। स्पष्ट है कि इससे बचे-खुचे माओवादी हतोत्साहित हो रहे होंगे। इस स्थिति का लाभ उठाया जाना चाहिए। माओवादियों के हतोत्साहित होने का एक बड़ा कारण यह भी है कि छत्तीसगढ़ में जो इलाके उनके मजबूत गढ़ माने जाते थे, वे उनके आतंक से मुक्त करा लिए गए हैं। माओवादी आतंकवाद इसीलिए दम तोड़ता दिख रहा है, क्योंकि मोदी सरकार ने उसके खात्मे के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति का तो परिचय दिया ही, माओवादियों से निपटने की एक ठोस रणनीति भी बनाई। इस ठोस रणनीति के लिए यदि किसी को सबसे अधिक श्रेय जाता है तो वे हैं गृहमंत्री अमित शाह। उन्होंने माओवादियों के खिलाफ जारी अभियान पर न केवल निरंतर नजर बनाए रखी, बल्कि बार-बार यह दोहराते भी रहे कि तय समय सीमा में उनका खात्मा होकर रहेगा। यदि ऐसी ही इच्छाशक्ति का परिचय मनमोहन सरकार ने भी दिया होता तो आज नतीजा कुछ और होता। मनमोहन सरकार ने माओवादियों के खात्मे का अभियान अवश्य चलाया, लेकिन उसकी प्रखरता इस कारण बरकरार नहीं रह सकी, क्योंकि माओवादियों को वैचारिक खुराक देने वालों ने तरह-तरह के कुतर्कों के साथ विरोध का झंडा उठा लिया। इनमें से कुछ तो ऐसे थे, जो बड़ी ही बेशर्मी से खूंखार माओवादियों को बंदूकधारी गांधी कहते थे। दुर्भाग्य से तत्कालीन सरकार में ऐसे पथभ्रष्ट विचारकों का प्रभाव था। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी ने माओवादियों के वैचारिक समर्थकों का उल्लेख अर्बन नक्सल के रूप में किया।

शुभ दीपावली

अंधकार को दूर कर प्रकाश की तरह ले जाने वाला यह ममहापर्व आपके जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि लेकर आए

खुशियों एवं प्रकाश का महापर्व

दीपावली

की हार्दिक शुभकामनाएं

10 वर्षों से पूरे राजस्थान में सोलर की विश्वसनीय सेवाएं

MASTER सोलर पॉवर

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अन्तर्गत सोलर पर भारी सब्सिडी आकर्षक ब्याज दर पर फाइनेंस उपलब्ध है।

3 से 10KW तक भारी सब्सिडी सोलर के छोटे बड़े प्रोजेक्टर पूरे भार में लगाये जाते हैं।

राजस्थान सरकार द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं एवं सोलर पावर के क्षेत्र में सबसे ज्यादा काम करने वाली सम्मानित कंपनी **मास्टर सोलर**

प्रोप्राइटर- प्रेमलता

UTL SOLAR TATA ADANI LUMINOUS WARREE BIG BRANDS AVAILABLE

कुसुम योजना प्रोजेक्ट में शेखावाटी की एकमात्र सोलर कंपनी मास्टर सोलर

हेड ऑफिस- खेतड़ी रोड, पायल अस्पताल के पास, चिड़ावा

ब्रांच- झुंझुनूं, जयपुर

सम्पर्क करें:- 9982836555, 7742351651

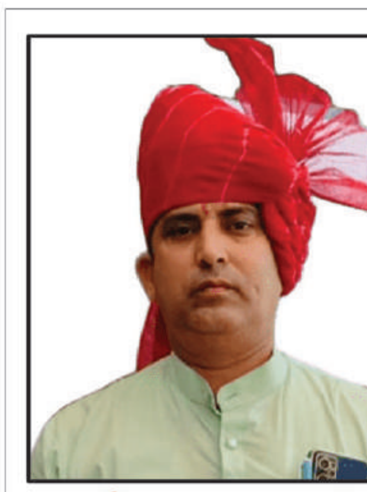

रामनिवास सरपंच
हंसालसर

जितेन्द्र तेलर सरपंच
बजवा रावत

संतोष देवी सरपंच
बड़ागांव

चंदू शर्मा
निदेशक
गोमती देवी पीजी कॉलेज बड़ागांव
जिलाध्यक्ष- निजी कॉलेज संघ, झुंझुनूं

डॉ.पंकज गोरा
प्रभारी सीएचसी, बड़ागांव

अनिल मीणा
सरपंच, ग्राम पंचायत नाटास

सेठ शिवदत राय सीनियर सैकेण्डरी स्कूल

बड़ागांव (झुंझुनूं)

महिपाल सिंह महला
निदेशक

बेटे का परिवार खत्म,कमरे को देख बेहोश हो रही मां

भरतपुर भरतपुर के नदबई में शनिवार को थार की टक्कर से बाइक सवार पूरा परिवार खत्म हो गया। हादसे में पति नटवर (35), पत्नी पूजा, बेटी परी (6) और बेटे दीपू (1.5) की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों की चीख-पुकार सुनाई दे रही है। नटवर की मां शोभा देवी अपने बेटे के कमरे को देखकर बार-बार बेहोश हो रही है। परिजनों ने नटवर के कमरे पर ताला लगा दिया है। पोती परी की किताबें घर के आंगन में खाट पर रखी हुई है।

भीलवाड़ा में दोस्त ने नाबालिग पर किया चाकू से हमला

भीलवाड़ा भीलवाड़ा में शनिवार रात एक नाबालिग पर उसके पुराने दोस्त ने चाकू से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया, हालत बिगड़ने के बाद उसे उदयपुर रैफर किया जहां आज उसने इलाज के दौरान दम तोड दिया,घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई।

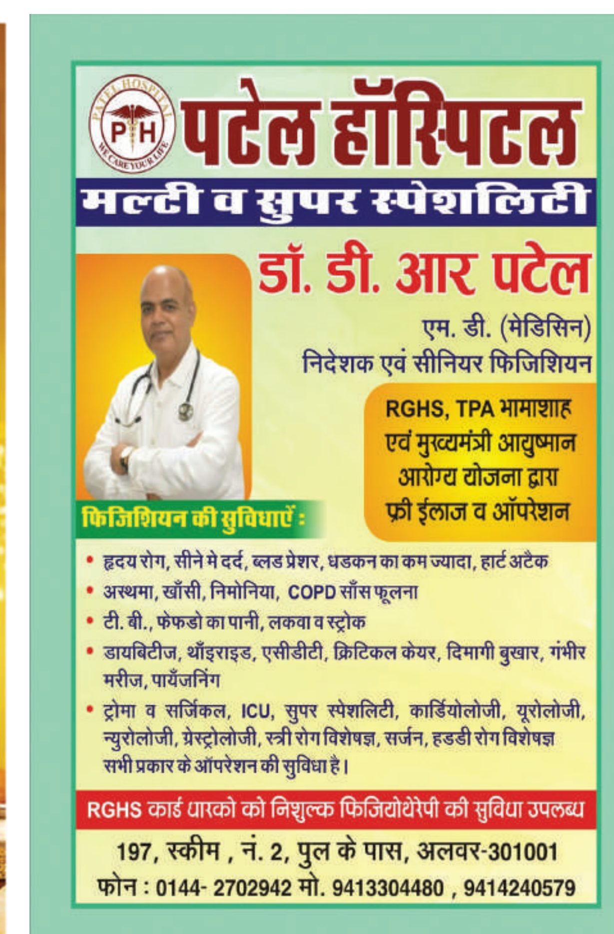

दिवाली में लिविंग रूम को सजाते समय आप भी रखें इन बातों का ध्यान

घर का लिविंग रूम सब के लिए खास होता है। यह एक ऐसा रूम है जहां घर के सभी लोग एक साथ बैठ के क्वॉलिटी टाइम बिताते हैं। घर में आने वाले मेहमान भी लिविंग रूम में बैठते हैं। यही नहीं, किसी भी पार्टी के लिए लिविंग रूम का बड़ा ही महत्त्व रहता है क्यूंकि, ये वो जगह है, जहां घर की पार्टी का इंतजाम किया जाता है। अगर लिविंग रूम अट्रैक्टिव होता है, तो पार्टी की रौनक और भी बढ़ जाती है, अगर अस्त-व्यस्त हो, तो पार्टी का मजा किरकिरा हो जाता है। इस दिवाली अगर आप भी दिवाली पार्टी के लिए लिविंग रूम को शानदार तरीके से डेकोरेट करना चाहती हैं, तो आपको कुछ बुनियादी बातों पर ध्यान देना चाहिए।

वैसे तो दिवाली के दिन सभी घरों में लाइट की व्यवस्था खूब रहती है लेकिन, जब दिवाली के दिन घर पर मेहमानों के साथ पार्टी रखी है, तो आपको अन्य दिनों के मुकाबले कुछ अधिक लाइट लगा लेनी चाहिए। अगर ठीक से लाइट नहीं हो तो पार्टी के साथ कमरे की सजावट खराब हो जाती है। हो सके तो पार्टी वाले दिन रंग-बिरंगी लाइट को लिविंग रूम में लगाने से बचे क्यूंकि, खाना खाने के दौरान बहुत कम लोग ही इस तरह की लाइट्स को पसंद करते हैं।

गलत कालीन को करें साइड

दिवाली पार्टी वाले दिन आप लिविंग रूम मे कालीन ना ही लगाएं तो बेहतर है। अगर आप सफेद कलर का कालीन लिविंग रूम में लगाने वाली है, तो ये गलती भूल के भी नहीं कीजियेगा, क्यूंकि एक बार अगर कालीन पर दाग लग गए फिर उसके बाद उस दाग को निकालने में आपको ही मेहनत करनी पड़ सकती है। इसलिए दिवाली पार्टी के दिन कालीन बिछाने के लिए रंग का चयन करते समय ये जरूर याद रखें।

टेबल, कुर्सी का रखें ध्यान

वैसे तो लिविंग रूम एक तरह से टेबल, कुर्सी या सोफा सेट के लिए जाना जाता है लेकिन, दिवाली पार्टी वाले दिन लिविंग रूम में अधिक कुर्सी और सोफा सेट रखने से बचें, क्यूंकि इससे लिविंग रूम की जगह भी कम हो जाती है, और लिविंग रूम एकदम से भरा-भरा दिखने लगता है, जिसके चलते कई बार आने-जाने के लिए जगह की कमी हो जाती है। पार्टी के लिए आप एक बड़ा सा टेबल का इस्तेमाल कीजिए जिस पर एक साथ सभी बैठकर खाना खा सके।

सेटिंग चेंज करें

लिविंग रूम को अट्रैक्टिव दिखाने के लिए इसकी सेटिंग चेंज करते रहें। अगर आपने पिछले कई महीनों से लिविंग रूम की सेटिंग चेंज नहीं की है, तो इस बार उसे भी कर लीजिए। कई बार सेटिंग चेंज करने से भी लिविंग रूम को अट्रैक्टिव बनाया जा सकता है। आप सोफा, टीवी और टेबल आदि की पोजीशन को चेंज कर दीजिये और ये भी ध्यान रखें कि कई चीजों को एक साथ ना रखें। लिविंग रूम को खुला खुला रखने की कोशिश करें ताकि बीच में आने-जाने की जगह बनी रहे।

मेन डोर के लिए रंगोली डिजाइंस

दिवाली का त्योहार आते ही लोग तरह-तरह से अपने घर की सजावट शुरू कर देते हैं। वैसे हिंदू धर्म में हर त्योहार पर रंगोली बनाने को बहुत ही शुभ माना गया है।

वैसे तो घर के आंगन, रसोई के बाहर, पूजा स्थल पर और घर के मेन गेट आदि स्थानों पर रंगोली बनाई जा सकती है, मगर घर के मुख्य द्वार पर बनाई जाने वाली रंगोली हमेशा बहुत ही अर्थपूर्ण और आकर्षक होनी चाहिए, क्योंकि रंगोली का धार्मिक महत्त्व भी होता है। घर के मुख्य द्वार पर बनने वाली रंगोली की कुछ आसान और खूबसूरत डिजाइंस

लक्ष्मी जी के चरण वाली रंगोली

लक्ष्मी जी के चरण को बहुत ही शुभ माना जाता है। अमूमन लोग अपने घर में लक्ष्मी जी के चरणों के स्टीकर लगाते हैं। मगर वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक को अशुभ माना जाता है और आमतौर पर बाजार मे आपको प्लास्टिक के ही स्टीकर मिलेंगे। ऐसे में आप मुख्य द्वार पर लक्ष्मी जी के चरणों की रंगोली बना सकती हैं। यह रंगोली आप रंगोली के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंगों से भी बना सकती हैं और ताजे फूलों से भी आप इस तरह की रंगोली बना सकती हैं। अगर आप बहुत ज्यादा मेहनत नहीं करना चाहती हैं, तो बहुत बड़ी रंगोली बनाने की जगह बॉर्डर डिजाइन ही बनाएं। यह कम समय और मेहनत में बन जाएगी।

कॉर्नर पर बनाएं रंगोली

आजकल ज्यादातर लोग फ्लैट्स में रहते हैं। ऐसे में मेन डोर पर रंगोली बनाने से आने-जाने वालों को दिक्कत हो सकती है। इतना ही नहीं, आपके द्वारा मेहनत से बनाई गई रंगोली खराब भी हो सकती है। ऐसे में आप मेन डोर के कॉर्नर पर रंगोली बना सकती हैं।

इस तरह की रंगोली के लिए आप मंडला आर्ट का चुनाव कर सकती हैं। मगर इसके लिए आपका आर्ट में माहिर होना बहुत जरूरी है। वैसे आपको बाजार में रेडीमेड नेट मिल जाएगा, जिसमें पहले से ही डिजाइन बनी होती है और आपको उसमें रंगोली के रंग भरने होते हैं। अगर आप खुद से ही मंडला आर्ट करके रंगोली बनाना चाहती हैं, तो आपको आटे की मदद से पहले आउटलाइन तैयार कर लेनी चाहिए और फिर रंगोली में रंग भरने चाहिए।

कमल देवी लक्ष्मी को अति प्रिय है। जगत पिता श्री हरि नारायण को भी कमल का फूल अति प्रिय है। वैसे तो घर के प्रवेश द्वार पर एक जल भरे पात्र में आपको खिला हुआ कमल का फूल रखना ही चाहिए। मगर यदि ऐसा संभव न हो तो आप प्रवेश द्वार पर कमल के फूल की डिजाइन वाली रंगोली भी बना सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि द्वार पर कमल का फूल देख कर देवी लक्ष्मी उस स्थान पर वास करने जरूर आती हैं।

फूल की रंगोली

घर के मुख्य द्वार पर आप फूलों की रंगोली भी बना सकती है। इसके लिए आप 2 से 3 तरह के फूल ले सकती है। फूलों की रंगोली से घर भी सुगंधित होता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। फूलों की रंगोली बनाने के लिए आपको पहले ही आटे की मदद से आउटलाइन बना लेनी होगी। फिर आप फूलों की पंखुड़ियों से रंगोली को भर सकती है।

दीयों की रंगोली

दिवाली का त्योहार दीपों का त्योहार होता है। इसलिए आप दीयों से भी अपनी रंगोली को सजा सकती हैं। वास्तु शास्त्र के लिहाज से अगर आप चौमुखी दीपक को घर के प्रवेश द्वार पर जलाते हैं, तो चारों दिशाओं से सुख और समृद्धि आती है। ऐसे में आप दीपक की गोलाई में रंगोली बना सकती हैं। आप ऊपर दी गई तस्वीर में दिखाई गई डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं।

दिवाली पर घर के हर कोने को लाइट्स से यूं सजाएं

दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। आज हम आपको बताएंगे कि घर के किस कोने में लाइट्स लगा सकते हैं और कौन सी लाइट घर के किस कॉर्नर के लिए अच्छी रहेगी।

दीवाली का त्योहार आते ही लोग अपने घर को सजाना-संवारना शुरू कर देते हैं। ज्यादातर लोग इस त्योहार पर लाइट्स से अपने घर को सजाते हैं। जाहिर है, दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। बहुत से लोग घर में जहां भी जगह पाते हैं, वहां लाइट्स लगा देते हैं, वहीं कुछ लोगों को तो यह भी नहीं पता होता है कि कौन सी लाइट को कहां और कैसे लगाना चाहिए।

एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया

अगर आप बाजार से डिजाइनर एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया खरीद कर लाए हैं, तो उसकी प्लेसमेंट सही जगह करें। जहां एलईडी दीये से आप घर के किसी भी कॉर्नर, टेबल, बालकनी आदि को सजा सकते हैं, वहीं इलेक्ट्रिक दीये आपको मंदिर में रखने चाहिए। हालांकि, वास्तु के हिसाब से इसे सही नहीं माना जाता है, इसलिए इन दीयों के साथ-साथ असल के दीयों से भी मंदिर को सजाएं।

फॉलिंग एलईडी लाइट्स

अगर आपके घर में गार्डन है और गार्डन में पेड़ पौधे लगे हुए हैं, तो आप फॉलिंग एलईडी लाइट्स को पेड़ में लगा सकते हैं। इससे आपका गार्डन जगमगा जाएगा। आप इस तरह की लाइट्स को बालकनी में भी सजावट के लिए लगा सकती हैं।

राइस लाइट

घर पर मौजूद सेंटर टेबल को भी आप लाइट-अप कर सकती हैं। इसके लिए आप असली के दीयों के साथ-साथ किसी शीशे की बॉटल के अंदर राइस लाइट भी भर कर रख सकती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि राइस लाइट को ऐसे स्थान पर रखें जहां कम रोशनी हो। अधिक रोशनी में इसे रखने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

हैंगिंग लाइट्स

हैंगिंग लाइट्स का इस्तेमाल आप किसी भी स्थान पर कर सकती हैं। मगर इस बात का ध्यान रखें कि जब आप हैंगिंग लाइट लगा रही हों तो उसे दीवार से सटा कर न लगाएं। हां, अगर वॉल हैंगिंग लाइट है तो आप ऐसा कर सकती हैं। मगर सीलिंग हैंगिंग लाइट्स की खूबसूरती को निहारने के लिए सही तरह से उसे फिक्स करें।

एलईडी स्ट्रिप लाइट्स

अगर आपके घर के खिड़की-दरवाजों या फिर फर्नीचर को डेकोरेट करना है तो एलईडी स्ट्रिप लाइट्स का प्रयोग करें। इतना ही नहीं, घर के मंदिर को डेकोरेट करने के लिए भी आप इन लाइट्स का प्रयोग कर सकती हैं। इन लाइट्स को लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि उस स्थान पर फिर और अधिक लाइट्स न लगाएं और इन्हें रनिंग मोड पर रखें, नहीं तो यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती हैं।

कम समय में बनानी है खूबसूरत रंगोली तो ये 5 हैक्स करेंगे मदद

दिवाली पर अगर आप भी चाहती हैं कि घर पर खूबसूरत रंगोली बने और समय कम लगे तो किचन के कुछ सामान की मदद से आप परफेक्ट रंगोली बना सकती हैं।

दीवाली करीब आ गई है और अब घरों में रंगोली बनना शुरू हो गई होगी। कई लोग नवरात्र से शुरू करके दिवाली के बाद तक घरों के आंगन को रंगोली से सजाते हैं। यकीनन घर के बाहर अगर खूबसूरत डिजाइन की रंगोली बनी हो तो देखकर बहुत अच्छा लगता है। पर कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें रंगोली की डिजाइन्स समझ नहीं आती और उन्हें इसे बनाने में बहुत समय लग जाता है। ऐसे में क्यों न हम कुछ ऐसे हैक्स का इस्तेमाल करें जिससे जल्दी से जल्दी रंगोली बन जाए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही हैक्स बताने जा रहे हैं जो घर के सामान की मदद से ही अच्छी रंगोली बनाने में आपकी मदद कर सकते हैं। चम्मच, इयरबड, कंघी की मदद से आप खूबसूरत रंगोली डिजाइन्स बना सकते हैं। ये सभी बहुत आसानी से बनने वाले हैं और आपको इसमें समय बहुत कम लगेगा। तो चलिए जानते हैं कौन से हैं वो हैक्स

छलनी की मदद लें

आजकल ऐसी रंगोली का चलन बहुत ज्यादा है जहां अलग-अलग रंगों से बेस बनाया जाता है और उसके बाद सेंटर में सफेद या ऐसे ही लाइट रंगों से अलग-अलग तरह के डिजाइन्स बनाए जाते हैं। आप आप आटा छानने वाली छलनी में कलर डालकर एक गोलाकार सेंटर बना सकते हैं। इसके बाद चाय वाली छलनी में रंगों को भरकर उसी गोले के आस-पास कई रंगों के सर्कल बना सकते हैं। डिजाइन आप जो चाहें चुन लें छलनी की मदद से उसे बहुत आसानी से बना सकते हैं। इस तरह की रंगोली में कलर कॉम्बिनेशन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आपने सही कलर कॉम्बिनेशन नहीं रखा तो ये भी हो सकता है कि रंगोली बने तो परफेक्ट लेकिन खराब रंगों की वजह से खिली हुई सी न दिखे।

इयरबड की मदद से बनाएं खूबसूरत रंगोली

दिवाली की खूबसूरत रंगोली बनाने के लिए आप इयरबड्स की मदद भी ले सकते हैं। इनसे बहुत अच्छे डिजाइन्स बनाए जा सकते हैं। आपको करना बस ये है कि जिस तरह का डिजाइन भी आपने दिमाग में रखा है उसके हिसाब से रंग चुनने हैं। तस्वीर में जो रंगोली दिखाई गई है उसमें बेस व्हाइट रंग डालने के बाद अलग-अलग रंगों से बड़े डॉट्स फ्लोर पर बनाए गए थे। इसके बाद इयरबड की मदद से इन्हें पत्तियों वाला डिजाइन दिया गया है। आप भी इयरबड की मदद से खूबसूरत रंगोली की डिजाइन बना सकते हैं। बस ध्यान ये देना है कि जो डॉट्स आप बनाएं वो एक ही साइज के हों। इसके लिए आप किसी पतले नॉजल वाली बॉटल या रंगोली वाले कोन्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

चम्मच की मदद से बनाएं

जिस तरह हम इयरबड्स का इस्तेमाल कर रंगोली बना सकते हैं उसी तरह चम्मच का इस्तेमाल कर रंगोली भी बनाई जा सकती है। इसके लिए आपको उसी तरह के डॉट्स फ्लोर पर बनाने होंगे जैसे हमने इयरबड्स के समय बनाए थे और साथ ही चम्मच की मदद से उसे शेप देना होगा। आप परफेक्ट राउंड शेप के लिए किसी स्टील की प्लेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं और उसके इर्द-गिर्द उस तरह के डॉट्स बना सकते हैं जैसे तस्वीर में दिखाए गए हैं। ये ट्रिक फूलों वाली रंगोली बनाने के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

चॉक की मदद से बनाएं रंगोली

आप रंगोली बनाने से पहले चॉक की मदद से उसकी डिजाइन पहले फ्लोर पर बना लें। ऐसा करने से आपको समय कम लगेगा और रंगोली के बिगड़ने की गुंजाइश भी कम हो जाएगी। आप चाहें तो गेहूं वाली छलनी (बड़े छेद वाली छलनी) की मदद से डॉट्स फ्लोर पर बनाकर डॉट्स वाली रंगोली भी बना सकती हैं। इन छोटे साइज के डॉट्स को कनेक्ट कर आप कई अच्छी डिजाइन्स तैयार कर सकती हैं।

फोर्क या कंघी का करें इस्तेमाल

अगर आपको किसी डिजाइन में बारीक लाइन्स चाहिए तो आप फोर्क या कंघी या फिर टूथपिक का इस्तेमाल कर सकती हैं। पहले बेस रंग फ्लोर पर डालें और उसके बाद टूथपिक, फोर्क या कंघी की मदद से उसपर मनचाहा डिजाइन बनाएं। इस तरह की रंगोली टाइल्स पर ज्यादा अच्छी तरह से बनती है।

ज्यादा दिनों तक चलने के साथ वेट कंट्रोल करेगी गुलाब नारियल बर्फी

गुलाब नारियल बर्फी एक ऐसी मिठाई है, जिसे आप कई दिनों तक रख सकते हैं। साथ ही नारियल होने की वजह से इसमें ज्यादा चीनी का इस्तेमाल भी नहीं करना पड़ता। इस वजह से इसे खाने से वेट भी नहीं बढ़ता। वहीं अगर आप चीनी खाना पूरी तरह छोड़ चुके हैं, तो आप चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करके भी गुलाब नारियल बर्फी बना सकते हैं। फेस्टिव सीजन खासकर दिवाली के लिए आप यह मिठाई बना सकते हैं।

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की सामग्री

- 1 कप मावा
- 2 कप नारियल पाउडर
- 3/4 कप चीनी बूरा
- 2-4 बूंद रोज एसेंस
- 1 टीस्पून इलायची पाउडर
- 1/4 टीस्पून रेड फूड कलर
- 2 टेबलस्पून पिस्ता कटे हुए
- 2 टेबलस्पून नारियल पाउडर

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में नारियल पाउडर, गुलाब एसेंस, इलायची पाउडर और चीनी बूरा डालकर मिक्स कर 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। तय समय के बाद मीडियम आंच पर पैन रख दें। इसमें मावा, नारियल पाउडर वाला मिश्रण और चीनी डालकर इसके घुलने तक पकाएं। जब मिश्रण पैन छोड़ने लगे तब गैस बंद कर इसे प्लेट पर निकाल लें। मिश्रण को दो भागों में बांट लें। एक भाग में रेड फूड कलर मिलाएं। अब ट्रे पर घी लगाकर चिकना कर लें। पहले सादा मिश्रण डालें फिर ऊपर से कलर वाला मिश्रण डालकर सेट करें। इस पर नारियल पाउडर छिड़ककर कटे हुए पिस्ता डाल दें। ट्रे को फ्रिज में 1 घंटे तक सेट होने के लिए रख दें। तय समय के बाद फ्रिज से ट्रे निकाल लें। तैयार है गुलाब नारियल बर्फी। मनचाहे पीस में काटकर सर्व करें।

इस बार त्योहार पर बनाएं खाजा मिठाई

अगर आप त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की यह फेमस रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।

भारत अपनी परंपराओं और स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए जाना जाता है। हर राज्य की अपनी अलग संस्कृति और खान-पान है। यहां हर उत्सव को खास तरीके से मनाया जाता है, कई पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते हैं। अब दीपावली का त्योहार भी आने वाला है। त्योहार के मौके पर सभी के घरों में मिठाइयां बनने लगती हैं। ज्यादातर घरों में महिलाएं लड्डू बनाना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप इस बार त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की फेमस मिठाई खाजा की यह रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।

आपको बता दें कि यह आंध्र प्रदेश की एक पारंपरिक डिश है, जिसे मैदा और शुगर सिरप में डीप करके तैयार किया जाता है। इसे लोग खास त्योहार के मौके पर बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसे कई नामों से पुकारा जाता है जैसे आंध्र चिरोटी, खाजा आदि। साथ ही, यह डिजर्ट बिहार में भी काफी लोकप्रिय है और बहुत से लोग इसे बिहारी खाजा के नाम से भी जानते हैं। आप इसे बहुत ही आसानी से बना सकती हैं, कैसे? आइए जानते हैं.

बनाने की विधि

- खाजा मिठाई बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में मैदा छान लें और फिर इसमें सभी सामग्रियों जैसे बेकिंग पाउडर, घी आदि डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब आप आटे में पानी डालें और उसे अच्छी तरह से गूंथ लें। फिर 20 मिनट के लिए अलग रख दें।
- जब आटा अच्छी तरह से सेट हो जाए, तो आटे को रोल करें और आटे की बराबर मात्रा में लोइयां बना लें।
- अब सारी लोइयों को रोटी की तरह पतला-पतला बेल लें और साइड में बेल कर रख लें।
- अब आपको खाजा बनाना है, इसके लिए आप एक प्लेट में रोटी रखें और उसके ऊपर मैदा, घी लगा लें। ताकि आटे (रोटी) की लेयर आपस में चिपके नहीं।
- फिर उसके ऊपर दूसरी रोटी रखें और इसी तरह आप सारी बेली हुई रोटियों की परत बना लें।
- अब इन रोटियों को फोल्ड करके एक रोल बना लें। फिर रोल को साइड से पतला-पतला (ज्यादा नहीं) खाजा के शेप में काट लें।
- अब धीमी आंच पर कढ़ाही में तेल गर्म कर लें। जब तेल गर्म हो जाए, तो खाजा को डीप फ्राई कर लें।
- अब आपको चाशनी बनानी है, इसके लिए आप एक बर्तन में चीनी और पानी डालें और चाशनी तैयार कर लें।
- अब तले हुए खाजा को एक एक करके चाशनी में डाल दें और कुछ देर इसे ही छोड़ दें।
- फिर कुछ देर बाद चाशनी से खाजा निकल लें और अपने मेहमानों को सर्व करें।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिँह राठौड़ रहे तारानगर दौरे पर

तारानगर(नि.सं.) पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिँह राठौड़ व भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने रविवार को तारानगरवासियों से दीपावली पर्व की रामा श्यामा की। राठौड़ व जांगिड़ ने कस्बे के चौधरी गेस्ट हाउस में अपने कार्यकर्त्ताओं से मुलाक़ात की एवं ततपश्चात् राठौड़ अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मुख्य बाजार में रामा श्यामा करते हुए अम्बेडकर सर्किल पहुंचे जहाँ उन्होंने सविधान निर्माता बाबा भीमराव अम्बेडकर की स्टेच्यु पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया।

राजपूत समाज सुधार समिति दांतारामगढ़ की कार्यकारिणी का विस्तार

खाचरियावास(नि.सं.)। राजपूत समाज सुधार समिति दांतारामगढ़ की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा रविवार को की गई।जानकारी देते हुए अध्यक्ष राम सिंह उमाड़ा ने बताया कि कार्यकारिणी में कोषाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत,वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह,प्रताप सिंह,बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष महावीर सिंह,महिपाल सिंह, मूल सिंह,मंत्री रविंद्र सिंह,संगठन मंत्री जय सिंह,सह मंत्री गोविंद सिंह, महामंत्री जयवीर सिंह को बनाया गया है।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।

दीपावली

धन और समृद्धि का त्यौहार

दीपावली पूजन विधि

दीपावली यानी धन और समृद्धि का त्यौहार. इस त्यौहार में गणेश और माता लक्ष्मी के साथ ही साथ धनाधिपति भगवान कुबेर, सरस्वती और काली माता की भी पूजा की जाती है. सरस्वती और काली भी माता लक्ष्मी के ही सात्विक और तामसिक रूप है. जब सरस्वती, लक्ष्मी और काली एक होती हैं तब महालक्ष्मी बन जाती हैं.

दिपावली की रात गणेश जी की पूजा से सद्बुद्धि और ज्ञान मिलता है जिससे व्यक्ति में धन कमाने की प्रेरणा आती है. व्यक्ति में इस बात की भी समझ बढ़ती है कि धन का सदुपयोग किस प्रकार करना चाहिए. माता लक्ष्मी अपनी पूजा से प्रसन्न होकर धन का वरदान देती हैं और धनाधपति कुबेर धन संग्रह में सहायक होते हैं. इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ही दीपावली की रात गणेश लक्ष्मी के साथ कुबेर की भी पूजा की जाती है.

पूजन सामग्री -

कलावा, रोली, सिंदूर, 1 नारियल, अक्षत, लाल वस्त्र , फूल, 5 सुपारी, लौंग, पान के पत्ते, घी, कलश, कलश हेतु आम का पल्लव, चौकी, समिधा, हवन कुण्ड, हवन सामग्री, कमल गट्टे, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल), फल, बताशे, मिठाईयां, पूजा में बैठने हेतु आसन, हल्दी , अगरबत्ती, कुमकुम, इत्र, दीपक, रूई, आरती की थाली. कुशा, रक्त चंदनद, श्रीखंड चंदन.

पर्वोपचार -

पूजन शुरू करने से पूर्व चौकी को धोकर उस पर रंगोली बनाएं. चौकी के चारो कोने पर चार दीपक जलाएं. जिस स्थान पर गणेश एवं लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करनी हो वहां कुछ चावल रखें. इस स्थान पर क्रमश: गणेश और लक्ष्मी की मूर्ति को रखें. अगर कुबेर, सरस्वती एवं काली माता की मूर्ति हो तो उसे भी रखें. लक्ष्मी माता की पूर्ण प्रसन्नता हेतु भगवान विष्णु की मूर्ति लक्ष्मी माता के बायीं ओर रखकर पूजा करनी चाहिए.

आसन बिछाकर गणपति एवं लक्ष्मी की मूर्ति के सम्मुख बैठ जाएं. इसके बाद अपने आपको तथा आसन को इस मंत्र से शुद्धि करें ''ऊं अपवित्र : पवित्रोवा सर्वावस्थां गतोऽपिवा। य: स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तर: शुचि:॥'' इन मंत्रों से अपने ऊपर तथा आसन पर 3-3 बार कुशा या पुष्पादि से छींटें लगायें फिर आचमन करें - ऊं केशवाय नम: ऊं माधवाय नम:, ऊं नारायणाय नम:, फिर हाथ धोएं, पुन: आसन शुद्धि मंत्र बोलें :-

ऊं पृथ्वी त्वयाधृता लोका देवि त्यवं विष्णुनाधृता। त्वं च धारयमां देवि पवित्रं कुरु चासनम॥

शुद्धि और आचमन के बाद चंदन लगाना चाहिए. अनामिका उंगली से श्रीखंड चंदन लगाते हुए यह मंत्र बोलें चन्दनस्य महत्पुण्यम् पवित्रं पापनाशनम्, आपदां हरते नित्यम् लक्ष्मी तिष्ठ तु सर्वदा।

दीपावली पूजन हेतु संकल्प -

पंचोपचार करने बाद संकल्प करना चाहिए. संकल्प में पुष्प, फल, सुपारी, पान, चांदी का सिक्का, नारियल (पानी वाला), मिठाई, मेवा, आदि सभी सामग्री थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लेकर संकल्प मंत्र बोलें : ऊं विष्णुर्विष्णुर्विष्णु:, ऊं तत्सदद्य श्री पुराणपुरुषोत्तमस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीय परार्द्धे श्री श्वेतवाराहकल्पे सप्तमे वैवस्वतमन्वन्तरे, अष्टाविंशतितमे कलियुगे, कलिप्रथम चरणे जम्बुद्वीपे भरतखण्डे आर्यावर्तान्तर्गत ब्रह्मवर्तैकदेशे पुण्य (अपने नगर/गांव का नाम लें) क्षेत्रे बौद्धावतारे वीर विक्रमादित्यनृपते : 2067, तमेऽब्दे शोभन नाम संवत्सरे दक्षिणायने/उत्तरायणे हेमंत ऋतो महामंगल्यप्रदे मासानां मासोत्तमे कार्तिक मासे कृष्ण पक्षे अमावस तिथौ (जो वार हो) शुक्र वासरे स्वाति नक्षत्रे प्रीति योग नाम करणादिसत्सुशुभे योग (गोत्र का नाम लें) गोत्रोत्पन्नोऽहं अमुकनामा (अपना नाम लें) सकलपापक्षयपूर्वकं सर्वारिष्ट शांतिनिमित्तं सर्वमंगलकामनया- श्रुतिस्मृत्यो- क्तफलप्राप्त्यर्थं– निमित्त महागणपति नवग्रहप्रणव सहितं कुलदेवतानां पूजनसहितं स्थिर लक्ष्मी महालक्ष्मी देवी पूजन निमित्तं एतत्सर्वं शुभ-पूजोपचारविधि सम्पादयिष्ये.

गणपति पूजन

किसी भी पूजा में सर्वप्रथम गणेश जी की पूजा की जाती है. इसलिए आपको भी सबसे पहले गणेश जी की ही पूजा करनी चाहिए. हाथ में पुष्प लेकर गणपति का ध्यान करें. गजाननम्भूतगणादिसेवितं कपित्थ जम्बू फलचारुभक्षणम्। उमासुतं शोक विनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपंकजम्।

आवाहन: ऊं गं गणपतये इहागच्छ इह तिष्ठ कहकर पात्र में अक्षत छोड़ें. अर्घा में जल लेकर बोलें एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयं, पुनराचमनीयम् ऊं गं गणपतये नम:. रक्त चंदन लगाएं: इदम रक्त चंदनम् लेपनम् ऊं गं गणपतये नम:, इसी प्रकार श्रीखंड चंदन बोलकर श्रीखंड चंदन लगाएं. इसके पश्चात सिन्दूर चढ़ाएं ''इदं सिन्दूराभरणं लेपनम् ऊं गं गणपतये नम:. दर्वा और विल्बपत्र भी गणेश जी को चढ़ाएं. गणेश जी को वस्त्र पहनाएं. इदं रक्त वस्त्रं ऊं गं गणपतये समर्पयामि.

पूजन के बाद गणेश जी को प्रसाद अर्पित करें. इदं नानाविधि नैवेद्यानि ऊं गं गणपतये समर्पयामि:. मिष्ठान अर्पित करने के लिए मंत्र: इदं शर्करा घृत युक्त नैवेद्यं ऊं गं गणपतये समर्पयामि:. प्रसाद अर्पित करने के बाद आचमन करायें. इदं आचमनयं ऊं गं गणपतये नम:. इसके बाद पान सुपारी चढ़ायें: इदं ताम्बूल पुगीफल समायुक्तं ऊं गं गणपतये समर्पयामि:. अब एक फूल लेकर गणपति पर चढ़ाएं और बोलें: एष: पुष्पान्जलि ऊं गं गणपतये नम:

इसी प्रकार से अन्य सभी देवताओं की पूजा करें. जिस देवता की पूजा करनी हो गणेश के स्थान पर उस देवता का नाम लें.

कलश पूजन -

घड़े या लोटे पर मोली बांधकर कलश के ऊपर आम का पल्लव रखें. कलश के अंदर सुपारी, दूर्वा, अक्षत, मुद्रा रखें. कलश के गले में मोली लपेटें. नारियल पर वस्त्र लपेट कर कलश पर रखें. हाथ में अक्षत और पुष्प लेकर वरुण देवता का कलश में आह्वान करें. ओ३म् त्तत्वायामि ब्रह्मणा वन्दमानस्तदाशास्ते यजमानो हविर्भि:। अहेडमानो वरुणेह बोध्युरुशंस मान आयु: प्रमोषी:। (अस्मिन कलशे वरुणं सांगं सपरिवारं सायुध सशक्तिकमावाहयामि, ऊं भूर्भुव: स्व:भो वरुण इहागच्छ इहतिष्ठ। स्थापयामि पूजयामि॥)

इसके बाद जिस प्रकार गणेश जी की पूजा की है उसी प्रकार वरुण देवता की पूजा करें. इसके बाद देवराज इन्द्र फिर कुबेर की पूजा करें.

लक्ष्मी पूजन

सबसे पहले माता लक्ष्मी का ध्यान करें

ऊं या सा पद्मासनस्था, विपुल-कटि-तटी, पद्म-दलायताक्षी।
गम्भीरावर्त-नाभि:, स्तन-भर-नमिता, शुभ्र-वस्त्रोत्तरीया।।
लक्ष्मी दिव्यैर्गजेन्द्रै:। मणि-गज-खचितै:, स्नापिता हेम-कुम्भै:।
नित्यं सा पद्म-हस्ता, मम वसतु गृहे, सर्व-मांगल्य-युक्ता।।

इसके बाद लक्ष्मी देवी की प्रतिष्ठा करें. हाथ में अक्षत लेकर बोलें 'ऊं भूर्भुव: स्व: महालक्ष्मी, इहागच्छ इह तिष्ठ, एतानि पाद्याद्याचमनीय-स्नानीयं, पुनराचमनीयम।'

प्रतिष्ठा के बाद स्नान कराएं:

ऊं मन्दाकिन्या समानीतै:, हेमाम्भोरुह-वासितै: स्नानं कुरुष्व देवेशि, सलिलं च सुगन्धिभि:।। ऊं लक्ष्म्यै नम:।। इदं रक्त चंदनम् लेपनम् से रक्त चंदन लगाएं। इदं सिन्दूराभरणं से सिन्दूर लगाएं। ऊं मन्दार-पारिजाताद्यै:, अनेकै: कुसुमै: शुभै:। पूजयामि शिवे, भक्तया, कमलायै नमो नम:।।ऊं लक्ष्म्यै नम:, पुष्पाणि समर्पयामि।'इस मंत्र से पुष्प चढ़ाएं फिर माला पहनाएं, अब लक्ष्मी देवी को इदं रक्त वस्त्र समर्पयामि कहकर लाल वस्त्र पहनाएं.

लक्ष्मी देवी की अंग पूजा

बायें हाथ में अक्षत लेकर दायें हाथ से थोड़ा-थोड़ा छोड़ते जायें— ऊं चपलायै नम: पादौ पूजयामि ऊं चंचलायै नम: जानूं पूजयामि, ऊं कमलायै नम: कटिं पूजयामि, ऊं कात्यायिन्यै नम: नाभि पूजयामि, ऊं जगन्मातरै नम: जठरं पूजयामि, ऊं विश्ववल्लभायै नम: वक्षस्थल पूजयामि, ऊं कमलवासिन्यै नम: भुजौ पूजयामि, ऊं कमल पत्राक्ष्य नम: नेत्रत्रयं पूजयामि, ऊं श्रियै नम: शिर: पूजयामि।

अष्टसिद्धि पूजा

अंग पूजन की भांति हाथ में अक्षत लेकर मंत्रोच्चारण करें. ऊं अणिम्ने नम:, ओं महिम्ने नम:, ऊं गरिम्णे नम:, ओं लघिम्ने नम:, ऊं प्राप्त्यै नम: ऊं प्राकाम्यै नम:, ऊं ईशितायै नम: ओं वशितायै नम:।

अष्टलक्ष्मी पूजन -

अंग पूजन एवं अष्टसिद्धि पूजा की भांति हाथ में अक्षत लेकर मंत्रोच्चारण करें. ऊं आद्ये लक्ष्म्यै नम:, ओं विद्यालक्ष्म्यै नम:, ऊं सौभाग्य लक्ष्म्यै नम:, ओं अमृत लक्ष्म्यै नम:, ऊं लक्ष्म्यै नम:, ऊं सत्य लक्ष्म्यै नम:, ऊं भोगलक्ष्म्यै नम:, ऊं योग लक्ष्म्यै नम:

नैवैद्य अर्पण

पूजन के पश्चात देवी को 'इदं नानाविधि नैवेद्यानि ऊं महालक्ष्मियै समर्पयामि' मंत्र से नैवैद्य अर्पित करें. मिष्ठान अर्पित करने के लिए मंत्र: 'इदं शर्करा घृत समायुक्तं नैवेद्यं ऊं महालक्ष्मियै समर्पयामि' बालें. प्रसाद अर्पित करने के बाद आचमन करायें. इदं आचमनयं ऊं महालक्ष्मियै नम:. इसके बाद पान सुपारी चढ़ायें: इदं ताम्बूल पुगीफल समायुक्तं ऊं महालक्ष्मियै समर्पयामि. अब एक फूल लेकर लक्ष्मी देवी पर चढ़ाएं और बोलें: एष: पुष्पान्जलि ऊं महालक्ष्मियै नम:.

लक्ष्मी देवी की पूजा के बाद भगवान विष्णु एवं शिव जी पूजा करनी चाहिए फिर गल्ले की पूजा करें. पूजन के पश्चात सपरिवार आरती और क्षमा प्रार्थना करें

क्षमा प्रार्थना-

न मंत्रं नोयंत्रं तदपिच नजाने स्तुतिमहो
न चाह्वानं ध्यानं तदपिच्च नजाने स्तुतिकथा: ।
नजाने मुद्रास्ते तदपिच नजाने विलपनं
परं जाने मातस्त्व दनुसरणं क्लेशहरणं
विधेरज्ञानेन द्रविणविरहेणालसतया
विधेयाशक्यत्वात्तव चरणयोर्याच्युतिरभूत् ।
तदेतत् क्षंतव्यं जननि सकलोद्धारिणि शिवे
कुपुत्रो जायेत क्वचिदपि कुमाता न भवति
पृथिव्यां पुत्रास्ते जननि बहव: संति सरला:
परं तेषां मध्ये विरलतरलोहं तव सुत: ।
मदीयो7यंत्याग: समुचितमिदं नो तव शिवे
कुपुत्रो जायेत् क्वचिदपि कुमाता न भवति
जगन्मातर्मातस्तव चरणसेवा न रचिता
न वा दत्तं देवि द्रविणमपि भूयस्तव मया ।
तथापित्वं स्नेहं मयि निरुपमं यत्प्रकुरुषे
कुपुत्रो जायेत क्वचिदप कुमाता न भवति
परित्यक्तादेवा विविध सेवाकुलतया
मया पंचाशीतेरधिकमपनीते तु वयसि
इदानींचेन्मात: तव यदि कृपा
नापि भविता निरालंबो लंबोदर जननि कं यामि शरणं
श्वपाको जल्पाको भवति मधुपाकोपमगिरा
निरातंको रंको विहरति चिरं कोटिकनकै:
तवापर्णे कर्णे विशति मनुवर्णे फलमिदं
जन: को जानीते जननि जपनीयं जपविधौ
चिताभस्म लेपो गरलमशनं दिक्पटधरो
जटाधारी कंठे भुजगपतहारी पशुपति:
कपाली भूतेशो भजति जगदीशैकपदवीं
भवानि त्वत्पाणिग्रहणपरिपाटीफलमिदं
न मोक्षस्याकांक्षा भवविभव वांछापिचनमे
न विज्ञानापेक्षा शशिमुखि सुखेच्छापि न पुन:
अतस्त्वां सुयाचे जननि जननं यातु मम वै
मृडाणी रुद्राणी शिवशिव भवानीति जपत:
नाराधितासि विधिना विविधोपचारै:
किं रुक्षचिंतन परैर्नकृतं वचोभि:
श्यामे त्वमेव यदि किंचन मय्यनाथे
धत्से कृपामुचितमंब परं तवैव
आपत्सु मग्न: स्मरणं त्वदीयं
करोमि दुर्गे करुणार्णवेशि
नैतच्छदत्वं मम भावयेथा:
क्षुधातृषार्ता जननीं स्मरंति
जगदंब विचित्रमत्र किं
परिपूर्ण करुणास्ति चिन्मयि
अपराधपरंपरावृतं नहि माता
समुपेक्षते सुतं
मत्सम: पातकी नास्ति
पापघ्नी त्वत्समा नहि
एवं ज्ञात्वा महादेवि
यथायोग्यं तथा कुरु ।

दीप की जगमग

में घर की सज्जा

भारत वर्ष देश है त्योहारों और उत्सवो का, यहां हर दिन कोई न कोई व्रत त्योहार और उत्सव होता है। ये त्योहार और उत्सव हर जाति धर्म और क्षेत्र से जुड़े है, लेकिन कुछ त्योहार ऐसे हैं जो पूरे भारत वर्ष मे समान रूप से मनाए जाते है। और ऐसा ही एक त्योहार है, दीपावली। अब देखिए न दीपावली के ठीक एक दिन पहले नरक चतुर्दशी होती है, इसका मतलब है जो अभी तक घर की सफाई न कर पाया हो वह भी सफाई कर लें। इस दृष्टिकोण से दीपावली साज-सज्जा का ही उत्सव है। जब हर ग्रहणी, हर व्यवसायी या यूं कहें कि हर व्यक्ति अपने छोटे बड़े कैसे भी घर और कार्य स्थल की साफ-सफाई और साज-सज्जा कर लक्ष्मी का स्वागत करता है। यह ऐसा उत्सव है जिसमें घर की सजावट पर विशेष ध्यान दिया जाता है। दीवाली के आसपास लोग घर पेंट कराते है, नए पर्दे लगवाते है और हर तरह से घर को सजाते है।

कम खर्च में नया रूप :

आने वाले दीप पर्व पर हर कोई अपने घर को सजाएगा, लेकिन इस सजावट को विशिष्ट बनाने के लिए हम आपको कुछ आसान तरकीबें बताते हैं, जिनसे आप कम खर्च में ही अपने घर को नया रूप दे सकेंगी। दीपावली त्योहार है धन की देवी लक्ष्मी और ऋद्धि-सिद्धि के देव गणपति के पूजन का तो क्यों न साज-सज्जा की थीम भी यही बने। त्योहार के आसपास लक्ष्मी की विभिन्न आकारों की प्रतिमाएं बाजार में उपलब्ध रहती है, तो एक सुन्दर और जीवंत सी प्रतिमा को फोकल प्वाइंट बनाते हुए घर के मुख्य कक्ष में सजाएं। इस प्रतिमा पर एक चमकदार लाल रंग का वस्त्र डालकर इसे और भी सुंदर दिखा सकती हैं। जिस प्लेटफार्म पर आप इस मूर्ति को सजाएं उसे लाल और सफेद फूलों से सजाएं व मूर्ति के ऊपर इन्ही रंग के फूलों से तोरण बनाते हुए साज सज्जा करें। मूर्ति के समक्ष गणपति का प्रतीक मंगल कलश नारियल के साथ अवश्य सजाएं या फिर एक छोटी सी गणपति की प्रतिमा भी सजा सकती हैं। लक्ष्मी की मूर्ति के दोनों ओर पीतल के दीपदानों में दिए सजाकर प्रज्ज्वलित करें। इन दीपदानों के स्थान पर आप हाथ मे दीप जलाए दीपलक्ष्मी की प्रतिमाओं का भी प्रयोग कर सकती हैं।

आकर्षक हो प्रवेशद्वार :

इस प्रकार आप अपने घर में दीप पर्व के लिए एक मुख्य आकर्षण बिंदु बना सकती हैं, जो कि घर आने वाला कोई भी व्यक्ति अनदेखा नहीं कर पाएगा। अब आती है बात अन्य स्थानों पर साज-सज्जा की। इसकी शुरुआत करते है मुख्य द्वार से। देश के लगभग हर क्षेत्र में दीपावली में लक्ष्मी के स्वागत हेतु द्वार पर विशिष्ट प्रकार की रंगोली, अल्पना आदि सजाते है। यदि आप इनसे हटकर कुछ करना चाहती है तो फूलों की पत्तियों से अनूठी रंगोली सजा सकती हैं। इस रंगोली के मध्य जालीदार कई मटकों का सेट लगाकर इसके भीतर दीप जला सकती है या टेराकोटा के बड़े दीपदान भी प्रयोग कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार को फूलों और टिशू के कपड़े से बंदनवार बना सजा सकती हैं। मुख्य द्वार के आसपास मिट्टी के गणपति भगवान के साथ मटकों को फूलों व लाई से सजाकर रख सकती हैं।

प्रकाश का आनंद :

ड्राइंगरूम की सेंटर टेबल या डाइनिंग टेबल को दीपावली की साज-सज्जा के अनुरूप बनाने के लिए इस पर ब्राइट कलर का रनर सजाएं और इसके ऊपर तांबे, पीतल या शीशे के बड़े पात्र में दीपक तैराएं। पानी में तैरते इन दीपों और मोमबत्तियों की आभा, आपके पूरे घर को रोशन कर देगी। घर मे उपयुक्त स्थानों पर टेराकोटा के जालीदार लैम्प, दीपदान या मटकों का प्रयोग करें। इनके ऊपर या अंदर दीप जलाए और फिर लीजिए जालियों से छनकर आते प्रकाश का आनंद।

कार्यालय ग्राम पंचायत छान्देल कलां
पंचायत समिति कोटखावदा

लाल डिब्बा – गीला कचरा
नीला डिब्बा – सूखा कचरा
हरा डिब्बा – गीला कचरा

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत कल्याणपुरा पुरोहित

सरपंच – ग्राम पंचायत छान्देल कलां
सचिव – ग्राम पंचायत छान्देल कलां

आम जनता से अपील
- सरकारी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठायें।
- जल शक्ति अभियान के तहत पानी को व्यर्थ न बहने दें।
- अपनी पंचायत, गांव, मोहल्ले व घरों के सामने स्वच्छता बनाएं रखें। साफ सफाई का ध्यान रखते हुए कचरा निर्धारित स्थान पर डालें। खुले में शौच नहीं करें, शौचालय का निर्माण करवायें।
- पर्यावरण की सुरक्षा हेतु ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण नहीं करें।
- प्रदुषण मुक्त यातायात साधनों का उपयोग करें। जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन अवश्य करवायें।
- बाल विवाह सामाजिक अपराध है इसे राकें ।
- परिवार नियोजन अपनायें।
- शिक्षा से वंचित सभी बालक-बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन करवायें
- बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को बढ़ावा दें।

घरों से निकलने वाले कचरे को गीला, सूखा एवं घरेलू हानिकारक कचरे के रूप में पृथक करें:

शुभ दिपावली

वृक्षारोपण महाअभियान, अमृत पर्यावरण महोत्सव
पौधरोपण करने से पहले गड्ढे की और बाद में पौधरोपण की फोटो जिओटी एप पर अपलोड करें प्लास्टिक कैरी बैग का प्रयोग ना करें। जूट / कपड़े के थैले का इस्तेमाल करें। आधार पंजीयन करवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेवें पेड़ पौधे है ऑक्सीजन प्राण वायु के विपुल भंडार प्रत्येक जीव, प्राणी मात्र का जीवन आधार ।

• आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई दीनदयाल अन्त्योदय योजना • प्रधानमंत्री उज्जवला योजना • किसान क्रेडिट कार्ड • सुरक्षा बीमा योजना • स्वामित्व योजना • प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) • प्रधानमंत्री विश्वकर्मा • योजना प्रधानमंत्री पोषण योजना • जन धन योजना अटल पेंशन योजना • प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना हर घर जल जल • योजना जीवन मिशन जीवन ज्योति योजना • योजना पी.एम. प्रणाम • योजना नेनो फर्टीलाईजर्स

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
अन्जनी पाराशर
बाड़ी, जिला धौलपुर
जिला संयोजक – हिंदू मंच

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
गोपीराम स्वामी
ग्राम पंचायत बागावास अहिरान
शुभ दिपावली

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
दर्शन हॉस्पिटल एण्ड ट्रोमा सेंटर
जुबली हॉल के पास, धौलपुर
डॉ. मनोज त्यागी
शुभ दिपावली

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
हरिप्रसाद बल्लीवाल
जनसेवक
शाहपुरा विधानसभा

आग से घरेलू सामान जलकर खाक

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। शहर के वार्ड न 12 में स्थित नूर नगर में इमरान चौहान के घर पर सुबह 3 बजकर 45 मिनट पर आग लग गई। रसोई के फ्रिज में आग लगी, आग के धुएं से कारण नींद में सो रहे लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। घटना के वक्त कुल 4 लोग सो रहे थे। इमरान की पत्नी सलमा ने बताया कि नींद के दौरान सांस लेने में दिक्कत हुई, तो हम लोग नींद से जागे। फिर हम सभी लोग घर से बाहर निकले। फिर आस पास के लोगों की सहायता से आग कर काबू पाया गया। इस घटना में फ्रिज, ओवन, गीजर, आटा चक्की, इलेक्ट्रिक गीजर, मिक्सी, फैन, फर्नीचर, अलमारी आदि का नुकसान हो गया। गनीमत ये रही कि इस घटना में कोई चोटिल नहीं हुआ। घर की पीओपी ओर लाइट के सामान जलने से लाखों का नुकसान हुआ है।

श्रध्दा पूर्वक भगवान धन्वंतरि की जयंती मनाई

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। तहसील वैध सभा के तत्वावधान में धनवंतरी जयंती भगवान धन्वंतरि का प्राकट्य दिवस पूजा महोत्सव उत्साह पूर्वक तहसील वैद्य सभा के अध्यक्ष वैद्य धेवर चंद गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ वैद्य देवीप्रसाद शर्मा के सानिध्य में मंगलाचरण करके पूजा

वरिष्ठ वैद्य प्रहलाद लाटा द्वारा करवाई गई। इस अवसर पर वैध धेवरचंद गुर्जर, वैध देवीप्रसाद शर्मा, वैध भंवरलाल शर्मा, वैध लक्ष्मीकांत शर्मा ने स्थानीय स्तर पर पैदा होने वाली वन औषधियां के बारे में जानकारी दी। अभी चल रही वायरल डेंगू ज्वर, मौसमी बीमारियां, ।पेट संबंधी बीमारियों के बारे में जानकारी दी। आयुर्वेद के विकास के बारे में विचार विमर्श किया गया। संचालन तहसील वैध सभा के महामंत्री वैध भंवरलाल शर्मा ने किया। इस अवसर पर वैध मांगीलाल शर्मा, संदीप लाटा, विश्वदीपक काछवाल, रितिक गुर्जर, कृष्ण स्वामी, दामोदर शर्मा, विक्की काछवाल आदि उपस्थित रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह 26 अक्टूबर को

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। आगामी 26 अक्टूबर नायक समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। सुजानगढ़, बीदासर तहसील एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह जिला चूरू का होगा। जिसमें मुख्य अतिथि डूंगरपुर बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत होंगे। तहसील सचिव हंसराज नायक ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में कॉलेज में अच्छे अंक डिग्री धारी छात्र- छात्रा, 10वीं, 12 वीं, खेल कूद जिला राज्य राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर, सरकारी नौकरी लगने वाले साथ में प्रमोशन होने वाले सरकारी कर्मचारियो, जनप्रतिनिधियों का सम्मान होगा।

झुंझुनूं में 242 जगहों पर लगेंगे 450 से ज्यादा CCTV

झुंझुनूं (नि.सं.)। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को सशक्त करने के लिए झुंझुनूं जिला प्रशासन ने लाड़ली सुरक्षा योजना के तहत एक बड़ा और तकनीकी कदम उठाया है। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीओआईटी) की निगरानी में, जिले के गांव से लेकर शहर तक 242 महत्वपूर्ण स्थानों पर 450 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। ये कैमरे विशेष रूप से उन स्थानों को कवर करेंगे, जहां महिलाओं और बालिकाओं की आवाजाही सबसे अधिक होती है- जैसे स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, भीड़भाड़ वाले बाजार और प्रमुख सार्वजनिक स्थल। इस पूरी निगरानी प्रणाली को सीधे पुलिस के अभय कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
श्री जी हॉस्पिटल & ट्रोमा सेंटर
एस. एन. कॉलेज के पास
बाड़ी रोड़, धौलपुर (राज.)
श्री जी हॉस्पिटल & ट्रोमा सेंटर

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
एस.एन. महाविद्यालय
हाकिम सिंह त्यागी
संस्थापक

ACHIEVERS WORLD SCHOOL
An English Medium School
Strong Roots, Bright Futures
LEARNING BY DOING
EXCELLING BY EXPLORING
A COMPLETE SMART SCHOOL
AN ACTIVITY BASED SCHOOL
ADMISSION OPEN
Playgroup to 10th
Keshav Nagar, Alwar
9414261251, 9460375805

BABA MASTNATH UNIVERSITY
ROHTAK-HARYANA
9053066601 www.bmu.ac.in
शुभ दीपावली
B. PHARMACY
D. PHARMACY
Counselling
Till 31st October
9AM to 5PM
Gate No.5 BMU Campus, Rohtak
महंत बालकनाथ योगी
Chancellor, BMU
पूर्व सांसद, अलवर, विधायक तिजारा
www.bmu.ac.in
Contact Us
9053066601

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
महेश यादव
विराटनगर विधानसभा

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
सुरेश नागर
प्रदेश सचिव– किसान कांग्रेस राजस्थान
अध्यक्ष– श्री खटीक समाज
पूर्व पंचायत समिति, विराटनगर

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
किड्स गार्डन A.I. स्कूल
भारती पी.जी. कॉलेज पावटा
निदेशक
कमल यादव

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दिपावली
बोहरे महेश चंद शर्मा
निवेदक– बोहरे सचिन शर्मा
(बरेह वाले)

दीपावली की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
राजकीय सैटेलाइट हॉस्पिटल खैरथल
आप सभी से निवेदन है कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है और स्वस्थ समाज ही स्वस्थ भारत के सपने को साकार कर सकता है। अतः नीचे कुछ महत्वपूर्ण सूचना जारी की जा रही है, इन्हें अमल में लायें।
श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
श्री गजेंद्र सिंह खींवसर, चिकित्सा मंत्री, राजस्थान
सर्दी दस्तक दे चुकी है, बच्चों को होने वाला सर्दी–जुकाम और बुखार निमोनिया भी हो सकता है।
राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं
• मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना • मुख्यमंत्री नि:शुल्क निरोगी राजस्थान योगजना • मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना मुख्यमंत्री नि:शुल्क जांच योजना • मुख्यमंत्री जननी शिशु सुरक्षा योजना • मुख्यमंत्री राजश्री योजना • 104/108 एम्बुलेंस • रामाश्रय (वृद्धजन) योजना • डिजिटल हेल्थ मिशन (ABHA कार्ड)
निमोनिया नहीं तो बचपन सही
• बच्चों में निमोनिया से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण कराना और साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।
• सर्दी-जुकाम होने पर बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएं और डॉक्टर की सलाह से इलाज कराएं।
चैन की सांस लेगा बचपन, जब आप तुरन्त पहचाने निमोनिया के लक्षण
खांसी और जुकाम का बढ़ना
तेजी से सांस लेना
सांस लेते समय पसली चलना या छाती का अन्दर धंसना
तेज बुखार आना
सर्दी में बच्चे का ख्याल रखें भरपूर.... निमोनिया रहे दूर
जन्म से पांच वर्ष की उम्र के बच्चों में निमोनिया होने की संभावना अधिक होती है। उपचार में देरी से मौत का कारण बन सकती है।
निमोनिया के लक्षण होने पर तत्काल नजदीकी राजकीय चिकित्सालय में बच्चे का पूर्ण उपचार करवाएं
निवेदक– प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, राजकीय सैटेलाइट हॉस्पिटल खैरथल